

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के छत्तीसगढ़ प्रवास पर लोकभवन में हुई बैठक, दिए गए व्यापक निर्देश

विश्व केसरी■
रायपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के 22 एवं 23 अक्टूबर 2026 को प्रस्तावित छत्तीसगढ़ प्रवास को लेकर आवश्यक तैयारियों के संबंध में आज लोकभवन में बैठक आयोजित की गई। राज्यपाल के सचिव डॉ. सी.आर. प्रसन्ना की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में राष्ट्रपति के प्रवास के दौरान लोकभवन में की जाने वाली व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में लोकभवन परिसर में बैठक व्यवस्था, पार्किंग, बिजली और इंटरनेट की निर्बाध उपलब्धता सहित विभिन्न व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई।



इसके साथ ही चिकित्सा सुविधाओं, सुरक्षा प्रबंधों और आवश्यक व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित हो सकें।

बैठक में जनसंपर्क विभाग के संचालक आशीष कुमार टिकरिहा, रायपुर के पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला सहित जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, नगर निगम रायपुर, सामान्य प्रशासन विभाग तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

नाम चुराकर वस्तु बेचने का आरोप, पुलिस ने दर्ज की शिकायत

विश्व केसरी■
रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में ब्रांड की नकल का मामला सामने आया है। मशहूर ‘सूर्यवंश’ ब्रांड की हूबहु नकल कर ‘सूर्यवंशी’ नाम से बेसन बेचने पर माना कैप पुलिस ने 2 कारोबारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

रामसागरपारा स्थित मनीष आटा चक्की के संचालक मनीष शादीजा ने शिकायत दर्ज कराई है। उनका कहना है कि उनका ‘सूर्यवंश’ ट्रेडमार्क साल 2004 से रजिस्टर्ड है और 21 जुलाई 2034 तक वैध है। पिछले 20 सालों से यह ब्रांड बाजार में ग्राहकों के बीच अपनी पहचान बनाए हुए है।

पैकेट की भी हूबहु कापी की

आरोप है कि मेसर्स एमएस सिंध बेसन के संचालक धीरज सचदेव और उनके परिजनों ने ‘सूर्यवंशी’ नाम से मिलता-जुलता बेसन बाजार में उतार दिया। शिकायत के मुताबिक



सिर्फ नाम ही नहीं, बल्कि पैकेट का पीला रंग, सूर्य का निशान, उत्पाद की फोटो और ‘शहर गृहणियों की पहली पसंद’ जैसी टैगलाइन तक कॉपी कर ली गई, जिससे ग्राहक भ्रमित हो रहे हैं और उनके ब्रांड की साख को नुकसान पहुंच रहा है।

पुलिस के मुताबिक उत्पाद का उत्पादन और भंडारण माना कैप के डी-62, जय सदराम मार्केट और तेलीबांधा के रविप्रसा के जुड़ा है। माना पुलिस ने 10 अक्टूबर को ट्रेडमार्क एक्ट के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एफआईआर में धीरज सचदेव और श्रीचंद सचदेव का नाम है, जबकि विस्तृत शिकायत में निर्मल सचदेव का भी जिक्र है, जिसकी पुलिस जांच कर रही

दुर्गा पूजा को लेकर बिरगांव निगम अलर्ट

महापौर ने बंजारी मंदिर क्षेत्र का किया निरीक्षण

विश्व केसरी■
बिरगांव। दुर्गा पूजा पर्व को देखते हुए बिरगांव नगर निगम द्वारा शहर में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए विशेष सफाई अभियान शुरू किया गया है। लोक निर्माण विभाग के प्रभारी इकराम अहमद ने बताया कि इसी क्रम में आज महापौर श्री नंदलाल देवांगन ने स्वास्थ्य विभाग एवं निगम आयुक्त, विभागीय प्रभारी श्री ओमप्रकाश साहू तथा निगम के अधिकारी-कर्मचारियों के साथ बंजारी मंदिर क्षेत्र का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान महापौर ने संबंधित अधिकारियों को क्षेत्र में नियमित एवं बेहतर सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही दुर्गा पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या और नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निगम क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में स्थापित दुर्गा पंडालों के आसपास प्रतिदिन विशेष सफाई कराने के निर्देश दिए गए हैं।

इकराम अहमद ने बताया कि दुर्गा पूजा के दौरान पंडालों एवं आसपास के क्षेत्रों में कचरा जमा न हो, इसके लिए निगम की सफाई टीमों को नियमित निगरानी एवं



सफाई के लिए जिम्मेदारी सौंपी गई है। आवश्यकता के अनुसार कचरा उठाव एवं अन्य स्वच्छता व्यवस्थाओं को भी प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा आस्था और श्रद्धा का पर्व है। इस दौरान शहर में आने वाले श्रद्धालुओं और नागरिकों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना नगर निगम की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

छत्तीसगढ़ नगर दशहरा उत्सव समिति का 19वें वर्ष में प्रवेश, हुआ भूमिपूजन

विश्व केसरी■
रायपुर। छत्तीसगढ़ नगर दशहरा उत्सव समिति द्वारा 19वें वर्ष के भव्य दशहरा उत्सव का भूमि पूजन विधिवत संपन्न हुआ। यह आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व पार्षद देवेंद्र यादव के नेतृत्व में निरंतर आयोजित किया जा रहा है।

इस अवसर पर रायपुर के पूर्व महापौर प्रमोद दुबे, पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता सुभाष तिवारी, शहीद राजीव पांडे वार्ड के पार्षद एवं जौन क्रमांक 6 के अध्यक्ष बद्री प्रसाद गुप्ता, ब्लॉक अध्यक्ष ओम श्रीवास , छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के प्रदेश संयुक्त सचिव प्रदीप साहू, सहित



समिति के सदस्य एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

19 वर्षों से निरंतर जारी है दशहरा उत्सव की परंपरा

के अध्यक्ष देवेंद्र यादव के नेतृत्व में आयोजित यह उत्सव आज रायपुर राजधानी सहित पूरे प्रदेश में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। समिति के पदाधिकारियों, सदस्यों एवं वार्डवासियों के सामूहिक सहयोग से यह धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपरा निरंतर आगे बढ़ रही है।

भव्य आतिशबाजी और विशाल पुतले होंगे आकर्षण का केंद्र

इस वर्ष दशहरा उत्सव में कलकत्ता की टीम द्वारा भव्य आतिशबाजी की जाएगी। इसके साथ ही 45 फीट ऊंचा रावण तथा 30-30 फीट ऊंचे कुंभकर्ण एवं मेघनाथ के पुतले तैयार किए जाएंगे। भगवान श्रीराम की लीला एवं रामायण के मंचन के माध्यम से श्रद्धालुओं को धर्म, सत्य, मर्यादा और सदाचार का संदेश दिया जाएगा।

रात्रिकालीन रंग सरोवर सांस्कृतिक कार्यक्रम

दशहरा उत्सव में रात्रिकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत गरियाबंद के भूपेंद्र साहू द्वारा रंग सरोवर सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जाएगी। भव्य आतिशबाजी, विशाल पुतलों, रामलीला मंचन एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से पूरा वातावरण भक्तिमय और उत्साहपूर्ण होगा।

विश्व गठिया दिवस पर आयुष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन



विश्व केसरी■
रायपुर। विश्व गठिया दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत धर्मपुरा, एयरपोर्ट के समीप, रायपुर में आयुष विभाग के अंतर्गत स्वास्थ्य-शिविर का आयोजन डॉ. डी.पी. गोस्वामी, डॉ. शगुप्ता कुरेशी एवं एएपीडब्ल्यू मोहन मालहोत्रा द्वारा किया गया।

शिविर में कुल 123 मरीज

लाभान्वित हुए, जिनमें से 48 मरीज कार्यक्रम के अंतर्गत पंजीकृत किए गए। शिविर में रोगों की स्क्रीनिंग एवं रोकथाम के साथ-साथ वैदिकानुसार उचित आहार-विहार, वजन नियंत्रण, नियमित दिनचर्या तथा योगासन एवं प्राणायाम के महत्व की जानकारी देकर लोगों को जोड़ों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन ड - 1)
:: रस्तोनी नगर, खमटाई पानी टंकी, रायपुर ::
Email ID - rmczone1@gmail.com
पत्र क्रं /.....36233...../ न. पा. नि. जौन क्रं 1/2026

रायपुर, दिनांक 12-10-2026
इशतिहार

नामांतरण प्र.क्र. 362233

वार्ड का नाम 3 संत कबीर दास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 3 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR802M00156 जो की निगम अधिलेख श्री / श्रीमती JAGNU SAHU पिता / पति श्री / श्रीमती KARTIK RAM SAHU के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती RAJA KUMAR SAHU पिता / पति श्री/श्रीमती S/O JAGNU SAHU ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र ,दान पत्र, हिब्वानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि परचता प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री अंशुल शर्मा (जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन ड - 1)
:: रस्तोनी नगर, खमटाई पानी टंकी, रायपुर ::
Email ID - rmczone1@gmail.com
पत्र क्रं /.....36231...../ न. पा. नि. जौन क्रं 1/2026

रायपुर, दिनांक 12-10-2026
इशतिहार

नामांतरण प्र.क्र. 362231

वार्ड का नाम 15 कर्दयावल बाजारी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 15 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR108E00365 जो की निगम अधिलेख श्री / श्रीमती AMIT JAIN (DUGGAD) पिता / पति श्री/श्रीमती SURENDRA KUMAR DUGGAD के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती SANDESH KUMAR GUPTA पिता / पति श्री/श्रीमती S/O LATE BABULAL GUPTA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्वानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / SAP-ATH PATRA, BANK SALE DOCUMENT / बंशानुक्रम / अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि परचता प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री अंशुल शर्मा (जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन ड - 1)
:: रस्तोनी नगर, खमटाई पानी टंकी, रायपुर ::
Email ID - rmczone1@gmail.com
पत्र क्रं /.....36232...../ न. पा. नि. जौन क्रं 1/2026

रायपुर, दिनांक 12-10-2026
इशतिहार

नामांतरण प्र.क्र. 362232

वार्ड का नाम 18 बालगंगापर तिलक वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 18 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR140D00500 जो की निगम अधिलेख श्री / श्रीमती RADHA KISHANRAO पिता / पति श्री/श्रीमती C.H.N. RAO के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती SHRINIVAS RAO पिता / पति श्री/श्रीमती S/O RADHA KRISHNA RAO ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्वानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत दानपत्र / वंशानुक्रम / अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि परचता प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री अंशुल शर्मा (जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन ड - 1)
:: रस्तोनी नगर, खमटाई पानी टंकी, रायपुर ::
Email ID - rmczone1@gmail.com
पत्र क्रं /.....36229...../ न. पा. नि. जौन क्रं 1/2026

रायपुर, दिनांक 12-10-2026
इशतिहार

नामांतरण प्र.क्र. 362229

वार्ड का नाम 3 संत कबीर दास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 3 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR802K0914C जो की निगम अधिलेख श्री / श्रीमती JOGENDRANATH PATRO पिता / पति श्री / श्रीमती M. RAMCHANDRA PATRO के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती S/O SANJAY KUMAR ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्वानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि परचता प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री अंशुल शर्मा (जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन ड - 1)
:: रस्तोनी नगर, खमटाई पानी टंकी, रायपुर ::
Email ID - rmczone1@gmail.com
पत्र क्रं /.....36228...../ न. पा. नि. जौन क्रं 1/2026

रायपुर, दिनांक 12-10-2026
इशतिहार

नामांतरण प्र.क्र. 362228

वार्ड का नाम 18 बालगंगापर तिलक वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 18 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR108B00202 जो की निगम अधिलेख श्री / श्रीमती SHEELA GHODESHWAR पिता / पति श्री/श्रीमती MANISHANKAR GHODESHWAR के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती 1.UTTAM 2.SUNIL 3. MARUTI RAO 4. MANISHA 5. AVINASH 6. AMRAPALI 7. MUKESH 8. ASHISH 9. MAMTA 10. JAISHANAKR 11. SIDHARTH पिता / पति श्री/श्रीमती S/O JATASHANAKAR S/O BHO-LASHANKAR S/O GAN-GASHANKAR S/O MANIK RAO ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्वानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / MTRI-TYU PRAMAN PATRA, Bv VAN-SHAWALI / श्रांशानुक्रम / अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि परचता प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री अंशुल शर्मा (जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन ड - 6)
:: आंद पार बेटी, कुतू तला, रायगढ़वा, रायपुर ::
Email ID - rmczone6@gmail.com
पत्र क्रं /.....36257...../ न. पा. नि. जौन क्रं 6/2026

रायपुर, दिनांक 12-10-2026
इशतिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36257

वार्ड का नाम 63 विरगिडपर उत्पाम वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 63 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR455P00011 जो की निगम अधिलेख श्री / श्रीमती Bisahuram पिता/पति श्री श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती RAM SHARAN SAHU पिता / पति श्री/श्रीमती S/O LT. BISAHU RAM SAHU ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्वानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / SHAPATH PATRA, SAHMATHI PATRA and DEATH CERTIFICATE OR PANCHNAMMA / वंशानुक्रम / अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि परचता प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री हितेन्द्र यादव (जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन ड - 9)
:: रस्तोनी नगर, खमटाई पानी टंकी, रायपुर ::
Email ID - rmczone1@gmail.com
पत्र क्रं /.....36225...../ न. पा. नि. जौन क्रं 1/2026

रायपुर, दिनांक 12-10-2026
इशतिहार

नामांतरण प्र.क्र. 362225

वार्ड का नाम 3 संत कबीर दास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 3 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR1040000042 जो की निगम अधिलेख श्री/ श्रीमती संजय सिंह ठाकुर पिता / पति श्री/ श्रीमती तोमर सिंह ठाकुर के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती कुनाल वाघवानी , दंपतिशु वाघवानी पिता / पति श्री / श्रीमती कुंदन दास वाघवानी ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र , हिब्वानामा रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि परचता प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री अंशुल शर्मा (जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन ड - 9)
:: रस्तोनी नगर, खमटाई पानी टंकी, रायपुर ::
Email ID - rmczone3@gmail.com
पत्र क्रं /.....36211...../ न. पा. नि. जौन क्रं 3/2026

रायपुर, दिनांक 12-10-2026
इशतिहार

नामांतरण प्र.क्र. 362111

वार्ड का नाम 30- शंकर नगर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 30 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR330B000059 ज जो की निगम अधिलेख श्री / श्रीमती HEMMAL VERMA पिता / पति श्री/श्रीमती PRABHULAL VERMA के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती श्री अशीष चौधरी पिता / पति श्री/श्रीमती पिता श्री अन्य चौधरी ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र , शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्वानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि परचता प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्रीमती प्रीति सिंह (जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन ड - 9)
:: रस्तोनी नगर, खमटाई पानी टंकी, रायपुर ::
Email ID - rmczone3@gmail.com
पत्र क्रं /.....35965/ न. पा. नि. जौन क्रं 3/2026

रायपुर, दिनांक 12-10-2026
इशतिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35965

वार्ड का नाम 12 - कार्लोपाला वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 12 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR330B000059 ज जो की निगम अधिलेख श्री / श्रीमती SANDEEP MEGHANI पिता/पति श्री श्रीमती LATE. JAYRAM DAS के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती 1. अभिषेक मेघानी 2. अनुराग मेघानी पिता / पति श्री श्रीमती स्व. सुनील मेघानी ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र दान पत्र, हिब्वानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार /पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि परचता प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्रीमती प्रीति सिंह (जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन ड - 9)
:: रस्तोनी नगर, खमटाई पानी टंकी, रायपुर ::
Email ID - rmczone3@gmail.com
पत्र क्रं /.....36210/ न. पा. नि. जौन क्रं 3/2026

रायपुर, दिनांक 10-10-2026
इशतिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36210

वार्ड का नाम 12 - कार्लोपाला वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 12 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR225G00221 जो की निगम अधिलेख श्री / श्रीमती MOTILAL LAHOTI पिता/पति श्री श्रीमती LATURAM LAHOTI के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती 1. डॉ. सत्यन सोनी 2. श्रीमती निशा महेंद्रकुमार वर्मा पित./पति श्री श्रीमती 1. श्री रामचन्द्र सोनी 2. डॉ. सत्यन सोनी ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्वानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि परचता प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्रीमती प्रीति सिंह (जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन ड - 9)
:: पुलिस स्टेशन के पास, टूटी कोलेनी, जौन, रायपुर ::
Email ID - rmczone9@gmail.com
पत्र क्रं /.....36113...../ न. पा. नि. जौन क्रं - 9/2026

रायपुर, दिनांक 10-10-2026
इशतिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36113

वार्ड का नाम 11-डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 11 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR227B00116 जो की निगम अधिलेख श्री/श्रीमती D. V. DEVENDRA MANI पिता/पति श्री श्रीमती LATE D. V. S. RAO के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती शोरीन खान पिता/पति श्री श्रीमती मोहम्मद उमर फारूख खान ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्वानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि परचता प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा (जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन ड - 9)
:: पुलिस स्टेशन के पास, टूटी कोलेनी, जौन, रायपुर ::
Email ID - rmczone9@gmail.com
पत्र क्रं /.....36112...../ न. पा. नि. जौन क्रं - 9/2026

रायपुर, दिनांक 10-10-2026
इशतिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36112

वार्ड का नाम 11-डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 11 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR227P00574 जो की निगम अधिलेख श्री/श्रीमती GEETA SUKSENA पिता/पति श्री श्रीमती RAMA /SHANKAR के नाम से दर्ज है जिसको श्री /श्रीमती राजू कुमार राठौर पिता/पति श्री श्रीमती माधव प्रसाद राठौर ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्वानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि परचता प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा (जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन ड - 9)
:: पुलिस स्टेशन के पास, टूटी कोलेनी, जौन, रायपुर ::
Email ID - rmczone9@gmail.com
पत्र क्रं /.....36109...../ न. पा. नि. जौन क्रं 9/2026

रायपुर, दिनांक 10-10-2026
इशतिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36109

वार्ड का नाम 10-रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR227RA0056 जो की निगम अधिलेख श्री/श्रीमती HIMANSU BHUSAN PANDA S/O DURGA PRASANNA PANDA, ADYARASHMI PANDA W/O HIMANSU BHUSAN PANDA पिता/पति श्री श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती अंजली गोयल पिता / पति श्री श्रीमती अरुण कुमार गोयल ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्वानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि परचता प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा (जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन ड - 9)
:: पुलिस स्टेशन के पास, टूटी कोलेनी, जौन, रायपुर ::
Email ID - rmczone9@gmail.com
पत्र क्रं /.....36108...../ न. पा. नि. जौन क्रं 9/2026

रायपुर, दिनांक 10-10-2026
इशतिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36108

वार्ड का नाम 11-डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड

भारत को शक्तिशाली बनाना लक्ष्य, लेकिन किसी पर प्रभुत्व नहीं: उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने सोमवार को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय (एनडीसी) के 66वें पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों को 'भारत के मूल मूल्य, राष्ट्रीय हित और राष्ट्रीय उद्देश्य' विषय पर संबोधित किया।

उपराष्ट्रपति ने भारतीय सशस्त्र बलों, सिविल सेवाओं, पुलिस और अन्य सरकारी संगठनों के अधिकारियों के साथ-साथ मित्र देशों के 41 अधिकारियों सहित 122 प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए समकालीन सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में रणनीतिक सोच, एकीकृत नीति निर्माण और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के महत्व पर प्रकाश डाला।

सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि देश के मूल मूल्य ही उसकी पहचान की नींव होते हैं। उन्होंने बताया कि



भारत हमेशा 'वसुधैव कुटुंबकम' यानी 'पूरी दुनिया एक परिवार है' की भावना में विश्वास करता है। उन्होंने कोरोना महामारी के दौरान दूसरे देशों को वैक्सिन उपलब्ध कराने, आपदा के समय मदद पहुंचाने और जलवायु परिवर्तन

जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने में भारत की सक्रिय भूमिका को इसका उदाहरण बताया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत के राष्ट्रीय हित संप्रभुता, लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व और राष्ट्र की

एकता एवं अखंडता जैसे संवैधानिक मूल्यों से प्रेरित हैं। उन्होंने भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करना, इसके लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष और संघीय स्वरूप को बनाए रखना, इसके रणनीतिक, राजनीतिक,

आर्थिक और सैन्य उद्देश्यों को आगे बढ़ाना, विकास और मानव विकास के लिए एक स्थिर और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना और अंतर्राष्ट्रीय शांति एवं स्थिरता में योगदान देना जैसी पांच व्यापक प्राथमिकताओं पर बल दिया। राष्ट्रीय सुरक्षा के बढ़ते परस्पर जुड़ाव का उल्लेख करते हुए, उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने आतंकवाद, साइबर खतरों, महामारियों, जलवायु परिवर्तन और अंतरराष्ट्रीय अपराध जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक अंतरराष्ट्रीय सहयोग का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय हितों की रक्षा और साझा वैश्विक हितों को आगे बढ़ाना अक्सर परस्पर सहायक उद्देश्य होते हैं, जिनके लिए समन्वित कार्रवाई, सूचना साझाकरण और राष्ट्रों के बीच आपसी विश्वास की आवश्यकता होती है।

लाहौल-स्पीति में बनेगा हाई एल्टीट्यूड हेल्थ रिसर्च सेंटर, जेपी नड्डा ने रखी आधारशिला

विश्व केसरी ■
केलांग। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने सोमवार को आईसीएमआर के 'हाई एल्टीट्यूड मेडिसिन एंड पब्लिक हेल्थ रिसर्च सेंटर' की आधारशिला रखी। उन्होंने कहा कि यह केंद्र स्वास्थ्य अनुसंधान के लिए एक मजबूत संस्थागत आधार तैयार करेगा और हिमालयी क्षेत्र में रहने वाले लोगों के सामने आने वाली स्वास्थ्य संबंधी खास चुनौतियों के बारे में वैज्ञानिक समझ को बढ़ाएगा।

इस मौके पर बोलते हुए, नड्डा ने ऑक्सीजन का कम स्तर, बहुत ज्यादा ठंड, बदलते मौसम और आदिवासी समुदायों की खास जीवनशैली से सेहत पर पड़ने वाले असर को समझने के लिए समर्पित वैज्ञानिक रिसर्च के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने सेहत से जुड़े खतरों की पहचान करने, सही उपाय करने



और बचाव वाली हेल्थकेयर को मजबूत करने के लिए इन खास इलाकों की चुनौतियों का व्यवस्थित अध्ययन करने की जरूरत पर जोर दिया। हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और अच्छी क्वालिटी वाली हेल्थकेयर तक पहुंच पक्की करने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन का जिक्र करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस सेंटर की स्थापना दूरदर्शज के हिमालयी और सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले

लोगों की खास हेल्थकेयर जरूरतों को पूरा करने को दी गई अहमियत को दिखाती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि रिसर्च पर आधारित उपाय सेहत के नतीजों को बेहतर बनाने और इन मुश्किल हालात में काम करने वाले स्थानीय समुदायों और सशस्त्र बलों के जवानों की भलाई को बढ़ाने में मदद करेंगे। नड्डा ने इस सेंटर को स्थापित करने में आईसीएमआर और आर्मेड फोर्सेज मेडिकल सर्विसेज के बीच सहयोग की सराहना की।

नेपाल के अरबपति बिनोद चौधरी बने नेपाली कांग्रेस के उपाध्यक्ष

विश्व केसरी ■
काठमांडू। नेपाल के एकमात्र अरबपति बिनोद चौधरी ने राजनीति में भी अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। वह नेपाली कांग्रेस के 15वें महाधिवेशन में पार्टी के उपाध्यक्षों में से एक निर्वाचित हुए हैं, जिससे उनका राजनीतिक कद और बढ़ गया है। फोर्ब्स पत्रिका की अरबपतियों की सूची में शामिल एकमात्र नेपाली बिनोद चौधरी की 2026 में कुल संपत्ति 2.1 अरब डॉलर थी। नेपाली कांग्रेस केन्द्रीय कार्यसमिति के अनुसार, उन्हें सम्रावेशी कोटे के तहत 1,745 वोट हासिल कर इस पद पर चुना गया। उनके निकटवर्ती प्रतिद्वंद्वी जीवन परियार को 1,658 वोट मिले। फोर्ब्स के अनुसार, चौधरी का



एक लोकप्रिय नूडल्स ब्रांड कंपनी सहित दुनियाभर में हॉस्पिटैलिटी कारोबार में नियंत्रण है। उनके व्यावसायिक हितों में नेपाल में एक बैंक और भारत की ताज होटल श्रृंखला से जुड़े लक्जरी होटल भी शामिल हैं। 2017 में उनकी कुल संपत्ति 1.3 अरब डॉलर थी, जो बढ़कर 2026 में 2.1 अरब डॉलर हो गई,

हालांकि 2020 और 2021 में कोविड-19 महामारी के बीच इसमें गिरावट आई थी, हालांकि वे 5 मार्च के संसदीय चुनाव में अब सत्तारूढ़ राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएएसपी) के उम्मीदवार से हार गए थे, फिर भी कई अन्य विपक्षी नेताओं की तरह बिनोद चौधरी ने नेपाली कांग्रेस के भीतर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

शासन को जनता के करीब लाना है लक्ष्य: सीएम धामी

विश्व केसरी ■
हरिद्वार। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि कैबिनेट बैठकों को केवल देहरादून तक सीमित न रखकर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में आयोजित करने का उद्देश्य शासन को जनता के और करीब लाना है।

मुख्यमंत्री धामी ने हरिद्वार में आयोजित कैबिनेट बैठक के बाद 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'देवभूमि उत्तराखंड की सांस्कृतिक, धार्मिक और आर्थिक विकास में विशिष्ट स्थान रखने वाले हरिद्वार में आयोजित कैबिनेट बैठक प्रदेश की प्रगति यात्रा में महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श और जनहित से जुड़े निर्णयों की साक्षी बनी। कैबिनेट बैठकों को केवल देहरादून तक सीमित न रखकर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में आयोजित करने का उद्देश्य स्थानीय परिस्थितियों, जनअपेक्षाओं और क्षेत्रीय आवश्यकताओं के अनुरूप विकास की प्राथमिकताओं को समझना तथा शासन को जनसरोकारों के और करीब लाना है।' हरिद्वार की इस कैबिनेट बैठक को प्रदेश की प्रगति यात्रा में एक अहम कदम माना जा



रहा है, जहां कई जनहित से जुड़े फैसलों पर चर्चा हुई। वहीं, कैबिनेट बैठक के बाद मुख्यमंत्री धामी ने राज्य के विकास के लिए प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन और सहयोग के लिए उनका धन्यवाद किया। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'जब मैं सोच रहा था कि आज की बातचीत में आपको किन योजनाओं के बारे में बताऊं, तो एक के बाद एक कई योजनाएं मेरे मन में आती गईं। मैंने

उन्हें सूचीबद्ध करना शुरू किया, लेकिन फिर मुझे लगा कि अगर मैं सब कुछ लिखता तो सूची कभी पूरी नहीं हो पाती, इसलिए बेहतर यही होगा कि मैं आपको सीधे तौर पर उन बहुत सारे कामों के बारे में बताऊं जो प्रधानमंत्री ने हमारे लिए किए हैं और उन्होंने से कितनी बार इस जगह का दौरा किया है।' इससे पहले मुख्यमंत्री धामी ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की। मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए

जहां अभी कनेक्टिविटी नहीं है। इस प्रोजेक्ट में 32 बड़े पुल भी शामिल हैं और इसकी कुल लागत 2,700 करोड़ रुपए से ज्यादा है। उत्तराखंड की भौगोलिक परिस्थितियां बहुत चुनौतीपूर्ण हैं। इन परिस्थिजाओं के लिए अंतिम मंजूरी की प्रक्रिया अभी चल रही है। उत्तराखंड की जनता की ओर से, मैं मंत्री शिवराज सिंह चौहान का हार्दिक धन्यवाद और आभार व्यक्त करता हूँ।

पीयूष गोयल ने कारोबारियों से 2030 तक भारत-ब्रिटेन द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने की अपील की

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को भारत और ब्रिटेन के कारोबारियों से भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीडीटीए) से पैदा हुए अवसरों को व्यापार, निवेश, साझेदारी और रोजगार सृजन बढ़ाने में बदलने की अपील की। भारत-ब्रिटेन संयुक्त आर्थिक एवं व्यापार समिति (जेटको) के 16वें सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि दोनों देशों को 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार दोगुना करने का लक्ष्य रखना चाहिए और भारत-ब्रिटेन विजन 2035 को अधिक आर्थिक महत्वाकांक्षा और सहयोग का आधार बनाना चाहिए। गोयल ने कहा कि दोनों देशों



के बीच व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीडीटीए) एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसके तहत ब्रिटेन के बाजार में अधिकांश भारतीय निर्यात को शुल्क मुक्त पर पहुंच मिलेगी, जबकि विभिन्न क्षेत्रों में ब्रिटेन के निर्यातकों के लिए भी बड़े अवसर खुलेंगे। इस समझौते से सेवा क्षेत्र में भी नए अवसर पैदा हुए हैं। उन्होंने

कहा कि सामाजिक सुरक्षा पर दोहरे अंशदान से बचाव संबंधी समझौता प्रतिस्पर्धी कोमतों पर सेवाओं की आपूर्ति और मुनाफे में सुधार के जरिये दोनों अर्थव्यवस्थाओं को और फायदा पहुंचा सकता है। उन्होंने कहा कि भारत और ब्रिटेन की अर्थव्यवस्थाएं एक-दूसरे की पूरक हैं। दोनों देशों के बीच

मौजूदा व्यापार बढ़ाने, निर्यात के नए अवसर विकसित करने और आपस में कारोबार किए जाने वाले उत्पादों की विविधता बढ़ाने की काफी संभावनाएं हैं। मौजूदा व्यापारिक पूरकताओं का जिक्र करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत स्मार्टफोन, फार्मास्यूटिकल उत्पादों, आभूषणों, कपड़ों, चमड़े के सामान, चावल और कुछ कृषि उत्पादों, लौह एवं गैर-मिश्रधातु इस्पात, मशीनों के पुर्जों तथा ऑटोमोबाइल कलपुर्जों का प्रमुख निर्यातक है। वहीं, ब्रिटेन की ओर से पेट्रोलियम मूल्य श्रृंखला के विभिन्न उत्पादों, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं विद्युत उपकरणों से जुड़े प्रौद्योगिकी उत्पादों, औषधियों, मोटर कारों और स्कांच व्हिस्की की आपूर्ति में संभावनाएं हैं।

नीचे आ रहा हूं... 13 हजार फीट ऊंची चोटी से गिरने से पहले कैलिफोर्निया के हाइकर ने भेजा आखिरी मैसेज

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। कैलिफोर्निया में 13,000 फीट ऊंचे माउंट मॉर्गन की चोटी पर पहुंचने के बाद 53 वर्षीय हाइकर ब्रायन सीबर्ट ने अपने परिजनों को आखिरी मैसेज भेजा- 'ऑन माई वे डाउन' (नीचे आ रहा हूं)। लेकिन यह मैसेज इसके जीवित होने का अंतिम प्रमाण बन गया। एनवाईपोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, ऊपर पहुंचने के बाद सीबर्ट एक जानलेवा हादसे का शिकार हो गए। ग्रैंड सेंट्रल क्लॉयंगर के पास चट्टान से गिर जाने के कारण उनकी दुखद मौत हो गई। 4 अक्टूबर को किया आखिरी मैसेज रविवार, 4 अक्टूबर को शाम



लगभग 7 बजे ब्रायन सीबर्ट ने मैसेज भेजकर परिजनों को जानकारी दी थी कि वे नीचे उतर रहे हैं। हालांकि, तय समय (रात 11:30 बजे) तक जब वे वापस नहीं लौटे, तो चिंता बढ़ गई। इसके बाद सोमवार, 5 अक्टूबर को उनके लापता होने की सूचना मिलने पर

मोनो काउंटी शेरिफ की 'सर्व एंड रेस्क्यू' टीम तुरंत हरकत में आई। 12,500 फीट की ऊंचाई पर सर्व ऑपरेशन बचाव दल ने उसे खोजने के लिए 12,500 फीट की ऊंचाई पर सर्व टीम को उतारने के लिए कैलिफोर्निया गार्ड के टू11-47

चिनुक हेलिकॉप्टर का भी इस्तेमाल किया। 72 घंटे से अधिक समय तक चले गहन खोज एवं बचाव अभियान के बाद आखिरकार योसेमाइट सर्व टीम और स्पेशल हेलीकॉप्टरों की मदद से उसका शव अत्यंत दुर्गम इलाके से बरामद किया गया। इस खोज अभियान में फोटोग्राफिक मैचिंग, मोबाइल फोन की गहन फॉरेंसिक जांच और च-9 टीम द्वारा सीबर्ट की गाड़ी की तलाशी जैसे तरीकों से सबूतों को इकट्ठा किया। 6 अक्टूबर को सर्व टीम को पहाड़ की चोटी के पास पूर्वी तरफ मौजूद एक खास रास्ते, ग्रैंड सेंट्रल क्लॉयंगर के निचले हिस्से में हवा से कुछ असामान्य चीज दिखाई दी।

त्रिपक्षीय नौसैनिक अभ्यास, भारत-ब्राजील-दक्षिण अफ्रीका की नौसेनाएं दिखाएंगी ताकत

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। भारतीय नौसेना का अग्रिम पंक्ति का गाइडेड मिसाइल युद्धपोत आईएनएस तरकश दक्षिण अफ्रीका की समुद्री यात्रा पर है। यह युद्धपोत यहां भारत, ब्राजील, और दक्षिण अफ्रीका की नौसेनाओं के बीच होने वाले नौवें त्रिपक्षीय समुद्री अभ्यास 'इस्सामार-9' में भाग लेगा। यहां समुद्री युद्ध से लेकर समुद्री डकैती रोकने तक का अभ्यास किया जाएगा। इस अभ्यास का उद्देश्य तीनों देशों की नौसेनाओं के बीच तालमेल बढ़ाना है। साथ ही इसके माध्यम से समुद्री सहयोग व एक-दूसरे की संचालन क्षमताओं को बेहतर ढंग से समझा जा सकेगा। गौरतलब वर्ष 2008 से ही भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका के बीच यह अभ्यास हर दो साल में आयोजित किया जा रहा है। समय के साथ अब यह तीनों देशों की नौसेनाओं के लिए संयुक्त



प्रशिक्षण, अनुभव साझा करने और समुद्री अभियानों के बेहतर तरीकों को समझने का एक प्लेटफार्म बन गया है। 'इस्सामार-9' के दौरान समुद्र में विभिन्न प्रकार के सैन्य अभियानों का अभ्यास किया जाएगा। इसमें सतह पर मौजूद युद्धपोतों के बीच युद्ध, हवाई हमलों से बचाव और पनडुब्बियों से निपटने की

रणनीतियां शामिल हैं। इसके अलावा नौसैनिक विमानों के संचालन, संधिह जहाजों की जांच, समुद्री डकैती रोकने, खोज एवं बचाव अभियान और युद्धपोतों में आग लगने या नुकसान होने की स्थिति से निपटने का अभ्यास भी किया जाएगा। अभ्यास के दौरान तीनों देशों के नौसैनिक कर्मियों के बीच पेशेवर संवाद भी

होगा। इससे उन्हें एक-दूसरे की कार्यप्रणाली समझने और संयुक्त अभियानों के दौरान बेहतर तालमेल स्थापित करने में मदद मिलेगी। इस अभ्यास में दक्षिण अफ्रीका की नौसेना अपने युद्धपोत एसएसएस अमातोला और एसएसएस किंग सेखुखुने प्रथम के साथ हिस्सा लेगी। इसके अलावा एसएसएस एडम कोक तृतीय और पनडुब्बी एसएसएस मंथातिसी भी इसमें शामिल होंगे। वहीं, ब्राजील की नौसेना युद्धपोत बीएनएस बारोसो के साथ भाग लेगी। इस युद्धपोत पर एक लिंक्स हेलीकॉप्टर भी तैनात रहेगा। भारतीय नौसेना की ओर से आईएनएस तरकश अभ्यास में हिस्सा लेगा। इसके साथ एक चेतक हेलीकॉप्टर भी तैनात है। इसका उद्देश्य तीनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाकर समुद्री सुरक्षा को मजबूत करना और साझा समुद्री चुनौतियों से निपटने की तैयारी को बेहतर बनाना है।

केरल कांग्रेस की पोस्ट पर विवाद, सीजेआई पर की थी टिप्पणी

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। सीजेआई सर्वकांत के इस्तीफे की मांग वाले कांग्रेस केरल इकाई के ट्वीट पर पवन खेड़ा ने असहमति जताई है। उन्होंने इसे गलत बताते हुए न्यायपालिका में भरोसा और सुप्रीम कोर्ट के प्रति सम्मान दोहराया। विवादित ट्वीट अब डिलीट हो चुका है। दिल्ली में प्रदर्शनों और उनसे जुड़ी पाबंदियों पर मुख्य न्यायाधीश सर्वकांत के बयान को लेकर कांग्रेस की केरल इकाई के ट्वीट पर पवन खेड़ा ने असहमति जताई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस रुख से पूरी तरह असहमत है और जिसने भी यह पोस्ट की है, वह पूरी तरह गलत है। कांग्रेस केरल इकाई का यह ट्वीट अब डिलीट कर दिया गया है। दिल्ली में कांग्रेस सांसद पवन



खेड़ा ने कहा कि पार्टी को देश की न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है और वह सर्वोच्च न्यायालय का सम्मान करती है। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका में इसी विश्वास के कारण विपक्ष ने अपनी बात रखने के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटया है। पवन खेड़ा ने क्या कहा? कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा 'हम इस रुख से पूरी तरह असहमत

हैं, चाहे इसे किसी ने भी पोस्ट किया हो। यह पूरी तरह गलत है। हमें इस देश की न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है और हम सर्वोच्च न्यायालय का सम्मान करते हैं। इसी वजह से हम सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे पर गए और वहां अपनी बात रखी, क्योंकि हमें न्यायपालिका पर विश्वास है।' केरल कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बोलें- जिम्मेदार व्यवस्थित को पद से हटाना केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष सनी जोसेफ ने कहा कि आपतिजनक पोस्ट करने के लिए जिम्मेदार व्यक्ति को उसके पद से हटा दिया गया है। पार्टी ने साफ किया कि यह पोस्ट प्रदेश नेतृत्व की जानकारी, सहमति या सलाह के बिना प्रकाशित की गई थी।

पार्षद रेखा कश्यप पर शासकीय भूमि पर कब्जे का आरोप, पद से हटाने की मांग

पार्षद पति और पुत्रों के भूमिहीन योजना के लाभ के लिए शपथपत्र देने पर भी उठे सवाल

विश्व केसरी■
शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। नगर पंचायत शिवरीनारायण के वार्ड क्रमांक 12 की पार्षद रेखा बाई कश्यप और उनके परिवार के सदस्यों को लेकर शासकीय भूमि पर कथित कब्जे तथा भूमिहीन योजना के तहत पात्रता का लाभ लेने के मामले में विवाद सामने आया है। एक युवक ने इस संबंध में जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर मामले की जांच करने, दोषी पाए जाने पर संबंधित लोगों के विरुद्ध कार्रवाई करने तथा पार्षद को पद से हटाने की मांग की है। शिकायत में राजस्व विभाग, नगर पंचायत और विद्युत विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भूमिका की भी जांच करने की मांग की गई है।

राजस्व निरीक्षक के प्रतिवेदन में अतिरिक्त भूमि पर कब्जे का उल्लेख - शिकायतकर्ता द्वारा कलेक्टर को सौंपे गए ज्ञापन के अनुसार, वार्ड क्रमांक 12 के भोगहापारा क्षेत्र में पटवारी हल्का

नंबर 08 स्थित शासकीय भूमि खसरा नंबर 723/1क के अतिरिक्त क्षेत्र में मकान निर्माण और भूमि पर कब्जे का मामला उठाया गया है। ज्ञापन में राजस्व निरीक्षक शिवरीनारायण द्वारा 7 जून 2022 को तहसीलदार को सौंपे गए प्रतिवेदन का हवाला दिया गया है। इसके अनुसार, राजीव गांधी आश्रय योजना के तहत वर्ष 2019 में सर्वे सूची के आधार पर परमानंद कश्यप और रेखा बाई कश्यप को 1,000 वर्गफीट भूमि का पट्टा दिए जाने तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान निर्माण की जानकारी दर्ज है।

शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि राजस्व निरीक्षक के प्रतिवेदन में संबंधित मकान के उत्तर दिशा में लगभग 1,900 वर्गफीट भूमि पर बारडंडी वॉल से घेराव और पश्चिम दिशा में लगभग 3,120 वर्गफीट क्षेत्र में लकड़ी रखने तथा फर्नीचर का कार्य किए जाने की बात कही गई थी।

शिकायतकर्ता ने इन तथ्यों के



आधार पर अतिरिक्त भूमि के कब्जे और उसके वैधानिक आधार की जांच कराने की मांग की है।
पति-पत्नी के नाम पट्टा और कर भुगतान को लेकर सवाल शिकायतकर्ता ने ज्ञापन में सवाल उठाया है कि जब संबंधित परिवार को राजीव गांधी आश्रय योजना के तहत भूमि आवंटित की गई थी, तो पट्टे के आवंटन, भवन निर्माण की अनुमति तथा नगर पंचायत में कर भुगतान से जुड़े अभिलेखों की जांच क्यों नहीं की गई।

ज्ञापन के अनुसार, संबंधित परिवार द्वारा नगर पंचायत में

समेकित कर भुगतान किए जाने का उल्लेख किया गया है। शिकायतकर्ता ने वर्ष 2011 से कर भुगतान होने तथा वर्ष 2019 में पट्टा आवंटित किए जाने के बीच की स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। शिकायतकर्ता का कहना है कि पट्टा आवंटन, भवन निर्माण की अनुमति, संपत्ति से संबंधित अभिलेख और कर भुगतान की जानकारी का मिलान कर वास्तविक स्थिति सामने लाई जानी चाहिए।

भूमिहीन योजना के लिए शपथपत्र देने पर उठाए सवाल शिकायत में पार्षद रेखा कश्यप के पति परमानंद कश्यप तथा उनके

पुत्रों ललित कश्यप और आशीष कश्यप के भूमिहीन योजना के तहत पात्रता का लाभ लेने के लिए शपथपत्र प्रस्तुत करने का भी उल्लेख किया गया है।

शिकायतकर्ता के अनुसार, तीनों ने 10 अगस्त 2026 को नोटरी के समक्ष शपथपत्र निष्पादित कराए थे। आरोप है कि परिवार के सदस्यों के नाम पर भूमि और मकान से संबंधित अभिलेख, बिजली कनेक्शन तथा नगर पंचायत में कर भुगतान होने के बावजूद भूमिहीन योजना के तहत पात्रता का लाभ लेने की प्रक्रिया अपनाई गई।

शिकायतकर्ता ने सवाल उठाया है कि यदि संबंधित व्यक्ति भूमिहीन योजना के लाभ के लिए पात्रता का दावा कर रहे हैं, तो उनके नाम पर दर्ज संपत्ति, बिजली कनेक्शन और कर भुगतान से संबंधित दस्तावेजों की जांच की जानी चाहिए। उन्होंने संबंधित शपथपत्रों की सत्यता और योजना के पात्रता संबंधी नियमों के अनुरूप स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है।

हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि तथा संबंधित व्यक्तियों की ओर से इस मामले में उनका पक्ष सामने आना अभी शेष है।

पूरे परिवार की संपत्ति की जांच की मांग

शिकायतकर्ता ने कलेक्टर और राज्य शासन के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि संबंधित परिवार के नाम पर दर्ज भूमि, मकान, पट्टा, संपत्ति कर, समेकित कर और बिजली कनेक्शन से जुड़े अभिलेखों की जांच कराई जाए।

इसके साथ ही शिकायत में राजस्व विभाग, नगर पंचायत शिवरीनारायण और विद्युत विभाग के संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भूमिका की भी जांच करने की मांग की गई है। शिकायतकर्ता का कहना है कि जांच में यदि किसी प्रकार की अनियमितता या नियमों का उल्लंघन सामने आता है, तो संबंधित लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।

एनएसएस के छात्रों ने स्वच्छता एवं वृक्षारोपण का दिया संदेश



विश्व केसरी■

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। जिले के कोटा ब्लॉक के सलका नवागांव ग्राम के एनएसएस छात्रों ने सेवा संकल्प अभियान के तहत ग्रामीणों से संपर्क कर उन्हें स्वच्छता अपनाने और वृक्षारोपण को बढ़ावा देने तथा एक दूसरे के साथ मिलजुलकर कार्य करने का संदेश दिया।

अभियान के अंतर्गत ग्रामीणों से गांव में साफ-सफाई रखने तथा आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने की अपील की गई। स्वयंसेवकों

ने स्वच्छता के महत्व को बताते हुए कहा कि स्वच्छ वातावरण स्वस्थ जीवन का आधार है। साथ ही, अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने के लिए भी ग्रामीणों को प्रेरित किया गया। इस अभियान में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई और स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के माध्यम से समाज में सेवा, सहयोग, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सद्भाव की भावना को मजबूत करने का प्रयास किया गया।

सिम्स में सुविधाओं के विस्तार को मंजूरी

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। छत्तीसगढ़ आधुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स), बिलासपुर में परीजों की सुविधाओं और चिकित्सा शिक्षा की अंधेरेसंरचना को बेहतर बनाने के लिए महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की अध्यक्षता में आज सिम्स के नवीन कार्डिसल कक्ष में आयोजित स्वशासी समिति की सामान्य सभा की बैठक में प्राथमिकता के आधार पर पांच करोड़ रुपये तक के निर्माण एवं नवीनीकरण कार्यों का अनुमोदन किया गया। अस्पताल के विभिन्न वार्डों के लिए 200 नए सेमी फाउलर आयरन बेड तथा निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए 500 केवीए क्षमता के तीन डीजी सेट खरीदने की भी स्वीकृति दी गई।

शिवरीनारायण-तुस्मा पहुंच मार्ग पर स्ट्रीट लाइट बनी शोपीस

विश्व केसरी■
शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। शिवरीनारायण से तुस्मा पहुंच मार्ग पर लगी स्ट्रीट लाइटें इन दिनों सिर्फ दिखावटी साबित हो रही हैं। सड़क किनारे लगाई गई इन लाइटों का उद्देश्य रात के समय राहगीरों और वाहन चालकों को रोशनी उपलब्ध कराना था, ताकि आवागमन सुरक्षित और सुविधाजनक हो सके। लेकिन स्ट्रीट लाइटों के खराब होने के कारण लोगों को रात के समय अंधेरे में सफर करना पड़ रहा है। इस समस्या को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी देखी जा रही है।

जानकारी के अनुसार, शिवरीनारायण से तुस्मा जाने वाले मार्ग पर लगी स्ट्रीट लाइटों की स्थिति लंबे समय से चिंताजनक बनी हुई है। रात होते ही मार्ग के कई हिस्सों में पर्याप्त रोशनी नहीं मिल पाती, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। अंधेरे के कारण सड़क पर सामने से आने



वाले वाहन, पैदल चलने वाले लोग और सड़क किनारे मौजूद गड्ढे समय पर दिखाई नहीं देते। ऐसे में दुर्घटना होने की आशंका भी बनी रहती है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, इस समस्या की जानकारी नगर पंचायत शिवरीनारायण के मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) को कई बार दी जा चुकी है। इसके बावजूद आज तक खराब स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत नहीं कराई गई है। लोगों का कहना है कि जब समस्या से संबंधित अधिकारियों को बार-बार अवगत कराया जा चुका है, तो फिर अब तक इसका समाधान क्यों नहीं

किया गया? आखिरकार, जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा इस मामले को गंभीरता से क्यों नहीं लिया जा रहा है?

लोगों का कहना है कि सड़क पर स्ट्रीट लाइट लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका नियमित रखरखाव और समय पर मरम्मत भी जरूरी है। यदि लाइटें खराब होने के बाद लंबे समय तक बंद पड़ी रहें, तो उनके लगाए जाने का उद्देश्य ही अधूरा रह जाता है। सरकारी राशि खर्च कर लगाई गई स्ट्रीट लाइटों का लाभ आम नागरिकों को मिलना चाहिए, लेकिन वर्तमान स्थिति में लोगों को इसका अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है।

रात के समय इस मार्ग से आने-जाने वाले लोगों को विशेष सावधानी बरतनी पड़ती है। दोपहिया वाहन चालकों, पैदल राहगीरों और अन्य वाहन चालकों के लिए अंधेरा परेशानी का कारण बन रहा है। ऐसे में किसी अप्रिय घटना से बचने के लिए स्ट्रीट लाइटों का जल्द से जल्द दुरुस्त होना आवश्यक है।

नवरात्रि पर्व पर मां भगवती मंदिर पहुंचे महामंडलेश्वर राजेश्री रामसुंदर दास



विश्व केसरी■

नवागढ़ (नीरज शर्मा)। शारदीय नवरात्रि पर्व के पावन अवसर पर महामंडलेश्वर राजेश्री रामसुंदर दास जी महाराज नवागढ़ स्थित मां देवी भगवती मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने मां भगवती के दर्शन कर विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की तथा क्षेत्रवासियों के सुख, समृद्धि, शांति और खुशहाली के लिए प्रार्थना की।

नवरात्रि पर्व के दौरान मां दुर्गा

के विभिन्न स्वरूपों की आराधना का विशेष महत्व है। इस पावन अवसर पर मां भगवती के दरबार में पहुंचकर महाराज जी ने श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की और सभी के जीवन में सुख-समृद्धि एवं मंगल की कामना की। इस अवसर पर उनके सहयोगी ठाकुर प्रमोद सिंह, कमलेश सिंह, बसंत सिंह पंवार, दिलदार खान, संतोष साहू, निर्मलदास वैष्णव, तेरसराम साहू सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नगर में जगह-जगह विराजीं मां दुर्गा

विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। शारदीय नवरात्रि पर्व के शुभारंभ के साथ ही नगर में भक्तिमय माहौल देखने को मिल रहा है। नवरात्रि के प्रथम दिन मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। नगर के प्रमुख चौक-चौराहों एवं विभिन्न स्थानों पर माता रानी की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं, जहां श्रद्धालु पहुंचकर माता के दर्शन कर रहे हैं और परिवार की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना कर रहे हैं।

इसी क्रम में नगर के बाम्बे मार्केट में भी मां दुर्गा की भव्य स्थापना की गई है। यहां माता रानी अपने नवदुर्गा के नौ स्वरूपों में विराजमान हैं, जो श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। नवरात्रि के



पहले दिन से ही पूजा-पाठ और माता के दर्शन के लिए भक्तों में उत्साह देखने को मिल रहा है। नवरात्रि के नौ दिनों तक मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की पूजा-अर्चना की जाएगी। इस दौरान नगर में धार्मिक वातावरण बना रहेगा और श्रद्धालु पूरी श्रद्धा एवं भक्ति के साथ माता रानी की आराधना करेंगे। माता के जयकारों से नगर का माहौल भक्तिमय हो गया है।

बैंगलेस डे को बनाया ज्ञान और प्रतिभा का मंच

विश्व केसरी■
बलरामपुर (आफताब आलम)। बच्चों में पढ़ाई के प्रति रुचि बढ़ाने, उनकी प्रतिभा को निखारने और सीखने की प्रक्रिया को रोचक बनाने के उद्देश्य से मिशन आचार्य के तहत बैंगलेस डे पर जिले के बलरामपुर एवं राजपुर विकासखंड के प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में वि्वज प्रतियोगिता आयोजित की गई। किताबों के बोझ से मुक्त इस दिन विद्यार्थियों ने प्रश्नोत्तरी में उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी ज्ञान क्षमता का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ अपनी समझ, तार्किक क्षमता और आत्मविश्वास को विकसित करने का अवसर मिला।

इसी क्रम में जिला मिशन समन्वयक चन्द्र भूषण ने राजपुर विकासखंड के माध्यमिक शाला बड़ौली, खोड़री और बारियों का



आकस्मिक निरीक्षण कर बैंगलेस डे के तहत आयोजित वि्वज प्रतियोगिताओं का जायजा लिया। उन्होंने विद्यार्थियों की भागीदारी, प्रतियोगिता के संचालन और शैक्षणिक गतिविधियों का अवलोकन किया।

बच्चों के उत्साह को देखते हुए उन्होंने विद्यालयों में इस प्रकार की गतिविधियों को नियमित रूप से आयोजित करने पर जोर दिया।

हर शनिवार अलग-अलग विषयों पर होगी वि्वज प्रतियोगिता

जिला मिशन समन्वयक चन्द्र भूषण ने प्रधान पाठकों को निर्देशित किया कि प्रत्येक शनिवार को अलग-अलग विषयों पर वि्वज प्रतियोगिता आयोजित की जाए। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को सभी

विषयों की बेहतर समझ विकसित करने, सीखी गई बातों को दोहराने और पढ़ाई को अधिक रोचक बनाने का अवसर देना है। विषयवार प्रश्नोत्तरी से बच्चों को अपनी शैक्षणिक तैयारी का आकलन करने तथा अपनी कमजोरियों को पहचानकर उन्हें दूर करने में मदद मिलेगी। नियमित प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होने के साथ कक्षा में सक्रिय सहभागिता को भी बढ़ावा मिलेगा।

नवरात्र पर आस्था के रंग में रंगा बलरामपुर

विश्व केसरी■
बलरामपुर (आफताब आलम)। शारदीय नवरात्र के पावन पर्व पर जिलेभर में भक्ति और आस्था का माहौल बना हुआ है। नवरात्र के प्रथम दिन जिला पंचायत सदस्य बेला अनिल कुशवाहा ने विभिन्न गांवों और क्षेत्रों में पहुंचकर माता रानी के दर्शन किए तथा पूजा पंडालों में विधिवत पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। इस दौरान उन्होंने धार्मिक आयोजनों में सहभागिता निभाते हुए पूजा समितियों को सहयोग राशि प्रदान की और पूजा-अर्चना संपन्न कराने वाले पंडितों को पुजारियों को गमछा भेंटकर सम्मानित किया। उनके इस दौरे में धार्मिक आस्था के साथ स्थानीय परंपराओं और सांस्कृतिक आयोजनों के प्रति सहभागिता भी देखने को मिली।



विभिन्न गांवों में पहुंचकर माता रानी के दरबार में टेका माथा - नवरात्र के पहले दिन जिला पंचायत सदस्य बेला अनिल कुशवाहा बैकुंठपुर, वीरेंद्रनगर, गोंदला, मुरकौल, स्याही, स्याही मोड़ और करमडीह (ब) सहित विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचें। यहां उन्होंने माता रानी के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की। पूजा पंडालों में श्रद्धालुओं के बीच पहुंचकर उन्होंने धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लिया और स्थानीय लोगों से मुलाकात

की। नवरात्र का पर्व शक्ति की उपासना, श्रद्धा और भक्ति का प्रतीक है। इस अवसर पर विभिन्न गांवों में स्थापित दुर्गा प्रतिमाओं के दर्शन कर बेला अनिल कुशवाहा ने क्षेत्रवासियों के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। उनके भ्रमण के दौरान पूजा समितियों के सदस्यों और ग्रामीणों से संवाद भी हुआ। धार्मिक आयोजनों में उनकी सहभागिता से स्थानीय स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों को प्रोत्साहन मिला।

बंदरों के बढ़ते आतंक से शहरवासी त्रस्त

विश्व केसरी■
सक्ती (ईश्वर लोधी)।इन दिनों शहर में बंदरों का आतंक इस कदर बढ़ गया है कि आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो चुका है। बंदरों के झुंड के झुंड घरों की छतों पर कब्जा जमाए हुए हैं और घरों के अंदर घुसकर खाने-पीने का सामान, कपड़े और घरेलू सामान तहस-नहस कर रहे हैं। कई मामलों में बंदरों द्वारा लोगों पर हमला करने और काटने की घटनाएं भी सामने आ चुकी हैं, जिससे बच्चों और बुजुर्गों का घरों से बाहर निकलना तक दुष्पर हो गया है।

प्रशासन और वन विभाग की घोर लापरवाही स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि इस विकट समस्या को लेकर कई बार स्थानीय प्रशासन और वन विभाग को लिखित एवं मौखिक शिकायतें दी जा चुकी हैं, लेकिन विभाग की ओर से अब तक कोई ठोस कदम



नहीं उठाया गया है। वन विभाग की इस उदासीनता और गैर-जिम्मेदाराना रवैये के कारण शहरवासियों में भारी रोष व्याप्त है। लोगों का कहना है कि अधिकारी केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित हैं और धरतल पर कोई प्रभावी कार्रवाई नजर नहीं आ रही

है। यदि समय रहते इस समस्या पर लगाम उदासीनता और गैर-जिम्मेदाराना रवैये के जनहानि या गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है।

शहरवासियों की प्रमुख मांगें तुरंत रेस्क्यू अभियान: शहर के सभी

प्रभावित वार्डों में विशेष टीमों का गठन कर बंदरों को पकड़ने का अभियान चलाया जाए। सुरक्षित वनों में स्थानांतरण: पकड़े गए बंदरों को शहर से दूर घने जंगलों या उनके प्राकृतिक आवास में सुरक्षित रूप से छोड़ा जाए।

वैकल्पिक व्यवस्था: वन विभाग द्वारा शहर की सीमाओं पर बंदरों के लिए भोजन और पानी की वैकल्पिक व्यवस्था की जाए, ताकि वे आवासीय इलाकों का रुख न करें।

चेतावनी: यदि वन विभाग ने जल्द ही इस दिशा में कोई वैकल्पिक और स्थायी व्यवस्था नहीं की, तो शहर की जनता को साथ मिलकर सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन और वन विभाग की होगी। इस संबंध में रेंजर गबेल जी से जानकारी लेने के लिए मोबाइल से कॉल करने पर कॉल रिसीव नहीं किया गया।

राज्य स्तरीय एडवांस प्रशिक्षण लेकर लौटे बिलासपुर के गाइड

विश्व केसरी■

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में राज्य प्रशिक्षण केन्द्र झांकी अभनपुर रायपुर में राज्य स्तरीय एडवांस प्रशिक्षण कोर्स संचालित किया गया। जिसमें गाइड कैप्टन ने नवाचार, स्काउट-गाइड के विद्यार्थियों के सर्वांगीण एवं बौद्धिक विकास ध्वज शिष्टाचार, प्राथमिक उपचार, बिना बर्तन के भोजन बनाना, मैपिंग, पायनियरिंग, आदि विषयों का अवलोकन कर बिलासपुर जिले के गाइड रेंजर लीडर डॉ. शीला शर्मा, गाइड कैप्टन ममता यादव,



देवकिरण साहू, चेतना सिंह ठाकुर, अनीता दान, शकुन चौहान सम्मिलित हुए।

शिविर संचालक के रुप में गाइड विभाग बीना यादव (संयुक्त

राज्य सचिव), रेंजर विभाग सरीता पाण्डेय (राज्य प्रशिक्षण आयुक्त गाइड), फ्लॉक लीडर विभाग कल्पना सिंह, लक्ष्मी बुजवासी शिविर का सफल संचालन किए।

वैश्विक अस्थिरता बढ़ने से भारतीय शेयर बाजार लाल निशान में बंद

विश्व केसरी■

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार सोमवार के कारोबारी सत्र में लाल निशान में बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 547.65 अंक या 0.76 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 71,924.68 और निफ्टी 157.10 अंक या 0.70 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,363.35 पर था।

बाजार में बिकवाली का सबसे अधिक दबाव एफएमसीजी और सरकारी बैंकिंग स्टॉक्स में देखा गया। सूचकांकों में निफ्टी एफएमसीजी 1.67 प्रतिशत और निफ्टी पीएसयू बैंक 1.18 प्रतिशत की कमजोरी के साथ टॉप लुजर्स थे। इसके अलावा, निफ्टी इफ्रा, निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी आईटी, निफ्टी कंजप्शन, निफ्टी कमोडिटीज और निफ्टी ऑयल एंड गैस सबसे ज्यादा गिरने वाले सूचकांकों में शामिल थे। दूसरी तरफ निफ्टी मीडिया, निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी ऑटो, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी इंडिया मैयूफैक्चरिंग, निफ्टी फार्मा, निफ्टी पीएसई और निफ्टी एनजी हरे निशान में थे।



लार्जकैप के उलट मिडकैप और स्मॉलकैप में खरीदारी देखी गई। निफ्टी स्मॉलैकप 100 इंडेक्स 272.10 अंक या 1.42 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,425.80 और निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 47.25 अंक की मामूली तेजी के साथ 58,834.55 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में बीईएल, एमएंडएम, कोटक महिंद्रा बैंक, एचसीएल टेक, बजाज फाइनेंस, सन फार्मा और टाइटन गैरस थे।

आईटीसी, टेक महिंद्रा, एचयूएल, एलएंडटी, एसबीआई, टीसीएस, भारती एयरटेल, बजाज फिनसर्व, अल्ट्राटेक सीमेंट, इंडिगो, टाटा स्टील, इन्फोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, मारुति सुजुकी, एशियन पेट्रोल, एचडीएफसी बैंक, ट्रेड, एक्सिस बैंक, एनटीपीसी, इटरनल और पावर ग्रिड लुजर्स थे। जानकारी ने कहा कि 10-साल के बॉन्ड यील्ड के तीन साल के उच्चतम स्तर पर पहुंचने और बाहरी अनिश्चितताओं के कारण विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बिकवाली से सेंटीमेंट कमजोर होने के कारण भारतीय बाजार सत्र की शुरुआती बढ़त को बनाए नहीं रख पाए। आरबीआई द्वारा ऑयल मार्केटिंग कंपनियों की डॉलर की जरूरतों के लिए एक स्पेशल विंडो खोलने और हेजिंग नियमों को सख्त करने के बाद रुपए में रिकवरी आई, जिससे करेंसी पर दबाव कम करने में मदद मिली।

उन्होंने आगे कहा कि आरबीआई द्वारा अतिरिक्त लिक्विडिटी को सोखने के लिए दैनिक सीआरआर मेंटेंनेंस की जरूरत को बढ़ाने के बाद बैंकिंग शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट आई, जबकि निवेशक आगे और मॉनेटरी टाइटनिंग की गुंजाइश के संकेतों के लिए घरेलू सीपीआई महंगाई के आंकड़ों का इंतजार कर रहे हैं।

भारत के वित्तीय सेवा क्षेत्र में सौदों का मूल्य 2026 की तीसरी तिमाही में 7.3 अरब डॉलर रहा

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारत के वित्तीय सेवा क्षेत्र में 2026 की तीसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में 7.3 अरब डॉलर के 67 सौदे दर्ज किए गए। यह जानकारी सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।

ग्रांट थॉर्नटन भारत की रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान सौदों का कुल मूल्य तिमाही-दर-तिमाही आधार पर 129 प्रतिशत बढ़ा, जबकि सौदों की संख्या मामूली रूप से 65 से बढ़कर 67 हो गई।

सौदों के मूल्य में इस तेज वृद्धि के पीछे बड़े मूल्य वाले विलय एवं अधिग्रहण (एमएंडए) सौदे और सार्वजनिक बाजार में पूंजी जुटाने की गतिविधियों की अहम भूमिका रही। इनमें दो बड़े आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) भी शामिल थे।

आईपीओ और क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) को छोड़कर विलय एवं अधिग्रहण (एमएंडए) और प्राइवेट इक्विटी/वेंचर कैपिटल (पीई/वीसी) गतिविधियों के तहत 3



अरब डॉलर के 58 सौदे हुए। 2026 की तीसरी तिमाही में एमएंडए सौदों का मूल्य पिछली तिमाही की तुलना में 54 प्रतिशत बढ़ा। साथ ही, सार्वजनिक बाजार के माध्यम से पूंजी जुटाने की गतिविधियों में मजबूती आई, वहीं पीई/वीसी निवेश में सौदों की संख्या और मूल्य, दोनों में गिरावट दर्ज की गई। फिनटेक, बैंकिंग और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) का संयुक्त रूप से कुल सौदों की संख्या में लगभग 67 प्रतिशत योगदान रहा। यह प्रौद्योगिकी आधारित वित्तीय प्लेटफॉर्म और ऋण कारोबार में निवेशकों के लगातार बने हुए विश्वास को दर्शाता है। ग्रांट थॉर्नटन

भारत में फाइनेंशियल सर्विसेज रिस्क एडवाइजरी के पार्टनर और एनबीएफसी इंडस्ट्री लीडर विवेक अय्यर ने कहा, ‘जैसे-जैसे पूंजी निवेश के मामले में चयनात्मक रुख बढ़ रहा है, वैसे-वैसे ग्रोथ को टिकाऊ रिटर्न में बदलने की क्षमता यह तय करेगी कि किन वित्तीय कंपनियों को निवेश मिलेगा।’

उन्होंने कहा कि अधिक लागत वाले माहौल में मजबूत फंडिंग मॉडल, बेहतर यूनिट इकोनॉमिक्स और नियामकीय चुनौतियों से निपटने की क्षमता उतनी ही महत्वपूर्ण होगी, जितना कि कारोबार का विस्तार करने का अवसर।

गोल्ड ईटीएफ में सितंबर में निवेश 71 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 4,451 करोड़ रुपए हुआ

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में शुद्ध निवेश अगस्त के 2,597 करोड़ रुपए से महीने-दर-महीने आधार पर 71.4 प्रतिशत बढ़कर सितंबर में 4,451 करोड़ रुपए हो गया है। यह दिखाता है कि सोने की ओर लोगों का रुझान बढ़ रहा है।



गोल्ड ईटीएफ में मजबूत निवेश के बावजूद, व्यापक म्यूचुअल फंड उद्योग में महीने के दौरान 1.33 लाख करोड़ रुपए का शुद्ध निकासी दर्ज की गई। इससे पहले अगस्त में 41,353 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया था।

इस गिरावट की मुख्य वजह फिक्स्टड इनकम म्यूचुअल फंड योजनाओं से बड़ी मात्रा में निकासी

रही। डेट म्यूचुअल फंड्स से सबसे अधिक निकासी हुई। सितंबर में इनसे शुद्ध निकासी तेजी से बढ़कर 1.83 लाख करोड़ रुपए हो गई, जबकि पिछले महीने यह 8,127 करोड़ रुपए थी।

भारी निकासी के कारण म्यूचुअल फंड उद्योग की कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) अगस्त के 87.08 लाख करोड़ रुपए से घटकर सितंबर में 82.64 लाख

करोड़ रुपए हो गया है।

इसके विपरीत, इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की ओर निवेशकों का रुझान बना रहा। सितंबर में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में शुद्ध निवेश 30.6 प्रतिशत बढ़कर 38,307 करोड़ रुपए हो गया, जबकि अगस्त में यह 29,328 करोड़ रुपए था।

इक्विटी श्रेणियों में स्मॉल-कैप फंड निवेशकों की सबसे पसंदीदा

सितंबर में एसआईपी निवेश में रिकॉर्ड 32,490 करोड़ रुपए की हुई बढ़ोतरी



विश्व केसरी■

मुंबई। म्यूचुअल फंड में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश सितंबर में नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। एम्फी यानी एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में एसआईपी के माध्यम से 32,490 करोड़ रुपए का निवेश हुआ, जो अगस्त के 32,297 करोड़ रुपए के पिछले रिकॉर्ड से भी अधिक है।

सितंबर में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में भी निवेश मजबूत रहा। इक्विटी फंड्स में शुद्ध निवेश बढ़कर 38,307 करोड़ रुपए हो गया, जबकि अगस्त में यह 29,328 करोड़ रुपए था। यानी महीने-दर-महीने आधार पर इसमें लगभग 30.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यह बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब पूरे म्यूचुअल फंड उद्योग में कुल मिलाकर निकासी का दबाव देखने को मिला।

सितंबर के अंत तक म्यूचुअल फंड उद्योग का कुल एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) 82.64 लाख करोड़ रुपए रहा, जो अगस्त में 87.08 लाख करोड़ रुपए था।

श्रेणीवार देखें तो स्मॉल कैप फंड्स में निवेश बढ़कर 9,039 करोड़ रुपए हो गया, जो अगस्त में 7,973 करोड़ रुपए था। वहीं मिड कैप फंड्स में निवेश 6,989 करोड़ रुपए से बढ़कर 7,835 करोड़ रुपए पहुंच गया।

फ्लेक्सी कैप फंड्स में 6,702 करोड़ रुपए का निवेश आया, जबकि अगस्त में यह 5,059 करोड़ रुपए था। सेक्टरल और थीमैटिक फंड्स में भी निवेश बढ़कर 3,640 करोड़ रुपए हो गया, जो अगस्त में 1,713 करोड़ रुपए था। लार्ज कैप फंड्स में सितंबर में 859 करोड़ रुपए का निवेश दर्ज किया गया, जो अगस्त के 1,147 करोड़ रुपए के आउटफ्लो के मुकाबले बड़ी वापसी मानी जा रही है। वहीं मल्टी एसेट अलोकेशन फंड्स में 3,667

करोड़ रुपए का निवेश आया, जो अगस्त के 3,671 करोड़ रुपए के लगभग बराबर है।

हालांकि मजबूत एसआईपी और इक्विटी निवेश के बावजूद पूरे म्यूचुअल फंड उद्योग में सितंबर के दौरान 1.33 लाख करोड़ रुपए का शुद्ध आउटफ्लो दर्ज किया गया। अगस्त में उद्योग में 41,353 करोड़ रुपए का शुद्ध इनफ्लो आया था।

इस आउटफ्लो का मुख्य कारण डेट (फिक्स्टड इनकम) फंड्स रहे। सितंबर में डेट फंड्स से 1.83 लाख करोड़ रुपए की निकासी हुई, जबकि अगस्त में इनसे 8,127 करोड़ रुपए का आउटफ्लो हुआ था।

आंकड़ों से स्पष्ट है कि बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद निवेशकों का भरोसा इक्विटी म्यूचुअल फंड्स और एसआईपी के प्रति लगातार मजबूत बना हुआ है। खासकर स्मॉल कैप, मिड कैप और फ्लेक्सी कैप योजनाओं में निवेशकों की दिलचस्पी तेजी से बढ़ रही है।

कोयला आपूर्ति में सुधार से बिजलीघरों का भंडार स्थिर, 18 मिलियन टन से अधिक स्टॉक उपलब्ध

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। कोयला मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि देश के कोयला आधारित बिजलीघरों में कोयला भंडार 29 सितंबर 2026 से लगातार 18 मिलियन टन से ऊपर बना हुआ है। मंत्रालय के अनुसार, अक्टूबर में कोयला आपूर्ति मजबूत होने से भंडार में कमी आने की रफ्तार भी काफी धीमी पड़ गई है।

मंत्रालय के बयान के मुताबिक, 29 सितंबर 2026 को बिजलीघरों में कोयले का भंडार 18.932 मिलियन टन था, जो 10 अक्टूबर 2026 को 18.205 मिलियन टन दर्ज किया गया। इससे संकेत मिलता है कि बिजलीघरों की दैनिक खपत के मुकाबले कोयला आपूर्ति लगभग बराबर बनी हुई है।

मंत्रालय ने कहा कि जिन बिजलीघरों का कोयला स्टॉक में 0.024 मिलियन टन से अधिक विशेष निगरानी रखी जा रही है।



आवश्यकता के अनुसार विभिन्न संयंत्रों के बीच कोयले का पुनर्वितरण भी किया जा रहा है ताकि बिजली उत्पादन बिना बाधा जारी रहे।

अक्टूबर में दो अवरस ऐसे भी रहे जब कोयला भंडार में बढ़ोतरी दर्ज की गई। 2 अक्टूबर को स्टॉक में 0.024 मिलियन टन और 10 अक्टूबर को 0.017 मिलियन टन

पहले 10 दिनों में कुल मिलाकर केवल 0.56 मिलियन टन की कमी हुई, जो औसतन 0.06 मिलियन टन प्रतिदिन है। इस सुधार का प्रमुख कारण कोयला ढुलाई में तेजी रही है। 1 से 10 अक्टूबर 2026 के दौरान बिजली क्षेत्र के लिए औसतन 469 रैक प्रतिदिन लोड किए गए, जबकि सितंबर में यह औसत 426 रैक प्रतिदिन था। यानी इसमें लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। अक्टूबर में दैनिक रैक लोडिंग 447 से 482 रैक के बीच रही।

इसके परिणामस्वरूप बिजली क्षेत्र को वास्तविक कोयला आपूर्ति बढ़कर 2.49 मिलियन टन प्रतिदिन हो गई, जबकि सितंबर में यह 2.21 मिलियन टन प्रतिदिन थी। मंत्रालय ने बताया कि अक्टूबर के अधिकांश दिनों में वास्तविक आपूर्ति तय लक्ष्य से अधिक रही और 10 में से 9 दिनों में आपूर्ति योजना से ज्यादा कोयला पहुंचाया गया।

सितंबर में इक्विटी फंड्स में आया 30 प्रतिशत से ज्यादा निवेश, इंडस्ट्री एयूएम बढ़कर 82.64 लाख करोड़ रुपए हुआ: एएमएफआई



विश्व केसरी■

मुंबई। भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग में सितंबर के दौरान इक्विटी योजनाओं में निवेश में मजबूत बढ़ोतरी दर्ज की गई। एम्फी यानी एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में इक्विटी फंड्स में 38,306.55 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश आया, जो अगस्त की तुलना में 30.61 प्रतिशत अधिक है। इस दौरान म्यूचुअल फंड उद्योग की कुल एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) बढ़कर 82.64 लाख करोड़ रुपए हो गई।

एएमएफआई के आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर में ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम्स ने 74,831.96 करोड़ रुपए का निवेश आया, जबकि 36,525.41 करोड़ रुपए की निकासी दर्ज की गई। इक्विटी योजनाओं के तहत कुल नेट एयूएम 37.54 लाख करोड़ रुपए रही, जबकि महीने के दौरान औसत एयूएम रुपए का शुद्ध निवेश आया।

जबकि 36,525.41 करोड़ रुपए की निकासी दर्ज की गई। इक्विटी योजनाओं के तहत कुल नेट एयूएम 37.54 लाख करोड़ रुपए रही, जबकि महीने के दौरान औसत एयूएम रुपए का शुद्ध निवेश आया।

38,50,660.61 करोड़ रुपए दर्ज की गई। श्रेणीवार आंकड़ों में स्मॉल कैप फंड्स सबसे आगे रहे, जिसमें 9,038.57 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश आया। स्मॉल कैप

पीएम गतिशक्ति के तहत 18.66 लाख करोड़ रुपए की 396 बड़ी परियोजनाओं की निगरानी



विश्व केसरी■

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (एनएमपी) के तहत 11 अगस्त 2026 तक 18.66 लाख करोड़ रुपए के निवेश वाली 396 बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाया शामिल की जा चुकी हैं। सरकार द्वारा सोमवार को जारी एक फैक्टशीट के अनुसार, इनमें से 256 परियोजनाओं को मंजूरी मिल चुकी है और 198 परियोजनाएं क्रियान्वयन के चरण में हैं।

पीएम गतिशक्ति का संस्थागत ढांचा एक डिजिटल प्लेटफॉर्म से समर्थित है, जो योजनाकारों को भू-स्थानिक डेटा, सैटेलाइट इमेजरी और विश्लेषणात्मक उपकरण उपलब्ध कराता है। यह प्लेटफॉर्म आर्थिक, सामाजिक और लॉजिस्टिक्स केंद्रों को

बन सकते हैं। इस योजना के तहत टेक्सटाइल क्लस्टर, फार्मास्यूटिकल हब, रक्षा गलियारे, इलेक्ट्रॉनिक्स पार्क, औद्योगिक गलियारे, मत्स्य क्लस्टर और कृषि क्षेत्र जैसे आर्थिक जोनों को भी शामिल किया गया है, ताकि एकीकृत इंफ्रास्ट्रक्चर योजना तैयार की जा सके।

उदाहरण के तौर पर, बिहार के खगड़िया-पूर्णिया कारिडोर को पांच पीएम गतिशक्ति आर्थिक नोड्स से जोड़ने की योजना बनाई गई है, जिनमें टेक्सटाइल क्लस्टर, मेगा फूड पार्क और फिशिंग/सीफूड पार्क शामिल हैं। इसके साथ 11 लॉजिस्टिक्स नोड्स को भी जोड़ा जाएगा, जिससे क्षेत्र में माल और यात्रियों की आवाजाही तेज होने की उम्मीद है।

क्या सच में मां के लाडले होते हैं बेटे और पिता की प्रिंसेस होती हैं बेटियां?



बचपन से ही हमने अक्सर यह सुना होगा कि 'बेटा मां का लाडला होता है' और 'बेटी पिता की आंख का तारा यानी प्रिंसेस होती है।' क्या यह सिर्फ एक आम कहावत है या इसके पीछे कोई गहरा मनोवैज्ञानिक सच छिपा है? आइए, मनोविज्ञान और वैज्ञानिक शोधों की नजर से इस दिलचस्प रिश्ते के हर पहलू को बेहद आसान भाषा में समझते हैं।

घर में बेटा चोट लगने पर सबसे पहले मां को आवाज लगाता है, तो बेटा अपनी छोटी-बड़ी फरमाइशें लेकर पापा के पास पहुंच जाती है। मां की गोद में बेटे को सुकून मिलता है, तो पिता के कंधे पर सिर रखकर बेटी अपनी दुनिया की बातें साझा करती है। आपने भी अपने आसपास ऐसे कई परिवार देखे होंगे, जहां बेटा मां के बेहद करीब होता है और बेटी पापा की लाडली कहलाती है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि ऐसा क्यों होता है? क्या बेटों का मां से और बेटियों का पिता से ज्यादा जुड़ाव होने के पीछे कोई मनोवैज्ञानिक वजह है? या फिर यह हमारे परिवारों की परवरिश और सामाजिक सोच का असर है?

दिलचस्प बात यह है कि मनोविज्ञान इस रिश्ते को केवल लड़का या लड़की होने से जोड़कर नहीं देखता। इसके पीछे भावनात्मक सुरक्षा, माता-पिता का व्यवहार, बच्चों की जरूरतों को समझने का तरीका और परिवार का माहौल जैसे कई पहलू काम करते हैं। आइए, समझते हैं कि मां-बेटे और पिता-बेटी का रिश्ता खास क्यों दिखाई देता है और इस बारे में साइकोलॉजी क्या कहती है।

मां के लाडले क्यों होते हैं बेटे? बिल्कुल मतलब नहीं है कि यह रिश्ता जन्मजात या तयशुदा है। अगर पिता भी बच्चे की देखभाल में बराबर की हिस्सेदारी निभाएं और उसकी भावनाओं को समझें, तो बच्चे का जुड़ाव पिता से भी उतना ही गहरा हो सकता है।

बेटियां क्यों होती हैं पापा की प्रिंसेस?
एक बेटी के लिए उसके पिता का साथ, तारीफ और प्रोत्साहन बहुत मायने रखता है। जब पिता अपनी बेटी की बात को गौर से सुनते हैं, उसकी छोटी-छोटी सफलताओं पर दिल से खुश होते हैं और मुश्किल वक्त में उसका हौसला बढ़ाते हैं, तो बेटी का आत्मविश्वास सातवें आसमान पर पहुंच जाता है।

एक बेटी के लिए उसके पिता का साथ, तारीफ और प्रोत्साहन बहुत मायने रखता है। जब पिता अपनी बेटी की बात को गौर से सुनते हैं, उसकी छोटी-छोटी सफलताओं पर दिल से खुश होते हैं और मुश्किल वक्त में उसका हौसला बढ़ाते हैं, तो बेटी का आत्मविश्वास सातवें आसमान पर पहुंच जाता है।

पहाड़ पर बढ़ रहा चॉकलेट मिठाई का क्रेज, एक बाइट में हो जाओगे दीवाने, जानें कीमत



पहाड़ की मिठाइयों का जिक्र होने पर क्या आप भी बाल मिठाई के बारे में सोचने लगते हैं। अब ऐसा नहीं होगा। आज हम आपको एक ऐसी मिठाई के बारे में बताएंगे, जो बाल मिठाई से कम नहीं है। बात हो रही है चॉकलेट मिठाई की। बागेश्वर के मिठाई व्यापारी नरेंद्र राणा लोकल 18 से बताते हैं कि कुमाऊं की चॉकलेट मिठाई खोये से बनाई जाती है। पकने के दौरान इसका रंग धीरे-धीरे गहरा भूरा होने लगता है। चॉकलेट मिठाई उन लोगों के लिए एक और विकल्प है, जो पहाड़ के पारंपरिक स्वाद में कुछ अलग तलाश रहे हैं।

उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र की पहचान यहां की प्राकृतिक सुंदरता, संस्कृति और खानपान से है। यहां की मिठाइयों का स्वाद भी लोगों को खूब पसंद आता है। अब तक पहाड़ की मिठाइयों का जिक्र होने

पर ज्यादातर लोगों के मन में बाल मिठाई का नाम आता था, लेकिन चॉकलेट मिठाई भी अपनी अलग पहचान रखती है। गहरे भूरे रंग और खोये से तैयार होने वाली इस मिठाई को देखने पर चॉकलेट जैसा अहसास होता है। अगर आपका मन दानेदार बाल मिठाई खाने का नहीं है, तो कुमाऊं की इस पारंपरिक मिठाई का स्वाद चख सकते हैं। बागेश्वर के मिठाई व्यापारी नरेंद्र राणा लोकल 18 से बताते हैं कि कुमाऊं की चॉकलेट मिठाई मुख्य रूप से खोये यानी मावे से बनाई जाती है। इसे तैयार करने के लिए मावे को धीमी आंच पर लगातार पकाया जाता है। पकने के दौरान इसका रंग धीरे-धीरे गहरा भूरा होने लगता है। इसी प्रक्रिया से मिठाई को अलग स्वाद और चॉकलेट जैसा रंग मिलता है।

नरेंद्र राणा कहते हैं कि बाल मिठाई के ऊपर लगी छोटी-छोटी सफेद चीनी की गोलियां इसे दानेदार बनाती हैं। चॉकलेट मिठाई का रंग गहरा भूरा होता है। दोनों मिठाइयां खोये से बनाई जाती हैं, लेकिन इन्हें बनाने की प्रक्रिया और बाहरी बनावट अलग है। उत्तराखंड से बाहर रहने वाले लोग जब अपने घर आते हैं, तो पहाड़ के स्वाद को अपने साथ ले जाना नहीं भूलते हैं। चॉकलेट मिठाई को भी लोग खरीदकर साथ ले जाते हैं। हालांकि, मिठाई को लंबी दूरी तक ले जाने से पहले उसकी पैकिंग और सुरक्षित रखने के निर्देशों का ध्यान रखना जरूरी है। यह कितने दिन तक ताजा रहेगी, यह बनाने की विधि, सामग्री, पैकिंग और तापमान पर निर्भर करता है। इसलिए तीन से चार दिन तक सुरक्षित रहने की बात की पुष्टि संबंधित दुकानदार से कर लें। अगर आप बागेश्वर में चॉकलेट मिठाई का स्वाद चखना चाहते हैं, तो बस स्टेशन रोड पर आना होगा। यहां चॉकलेट मिठाई की कीमत 440 रुपये प्रति किलो मिल जाएगी। पहाड़ की पारंपरिक मिठाइयां यहां के खानपान और स्थानीय संस्कृति का अहम हिस्सा हैं। ऐसे में बाल मिठाई के अलावा कुमाऊं की चॉकलेट मिठाई भी उन लोगों के लिए खास विकल्प है, जो पहाड़ के पारंपरिक स्वाद में कुछ अलग तलाश रहे हैं।

प्यार सच्चा है, पार्टनर भी सही है, फिर रिश्ता निभाना क्यों लगता है मुश्किल? जानिए प्यार का काला सच



कभी सोचा है, जिस इंसान से आप बेइंतहा प्यार करते हैं, उसी के साथ रहते हुए कभी-कभी घुटन क्यों महसूस होने लगती है? पार्टनर आपकी कद्र करता है, प्यार भी करता है, फिर छोटी-छोटी बातें दिल क्यों दुखाने लगती हैं? क्यों कभी मन करता है कि सब कुछ ठीक होने के बावजूद कुछ देर के लिए अकेले रह लें? दरअसल, प्यार होना और रिश्ता निभाना दो अलग बातें हैं। महशूर मनोवैज्ञानिक कार्ल रोजर्स का एक विचार इस उलझन को समझने में मदद करता है।

कभी सोचा है, जिस इंसान से आप बेइंतहा प्यार करते हैं, जिसके साथ ज़िंदगी बिताने के सपने देखते हैं, उसी के साथ रहते हुए कभी-कभी घुटन क्यों महसूस होने लगती है? पार्टनर अच्छा है, प्यार भी सच्चा है, फिर भी छोटी-छोटी बातें दिल दुखाने लगती हैं, बहरस बढ़ जाती है और कभी-कभी मन करता है कि सब कुछ देर के लिए सबसे दूर चले जाएं। हैरानी की बात यह है कि रिश्ता टूटने की कगार पर न हो, तब भी उसे निभाना मुश्किल लग सकता है। आखिर ऐसा क्यों होता है?

तो क्या प्यार के साथ-साथ कुछ ऐसी भावनात्मक जरूरतें भी होती हैं, जिन्हें हम समझ नहीं पाते? सच यह है कि सिर्फ प्यार किसी रिश्ते को आसान बनाने के लिए काफी नहीं होता। उम्मीदें, पुरानी चोटें, अनकही शिकायतें और बातचीत की कमी धीरे-धीरे रिश्ते की मिठास कम कर सकती हैं। आइए समझते हैं प्यार का वह काला सच, जिसे जानना आपके रिश्ते को एक नया नजरिया दे सकता है।

बची हुई छाछ बनेगी पौधों का टॉनिक! इस्तेमाल से पहले जान लें कितने पानी में मिलानी है



घर में बची छाछ को फेंकने के बजाय पानी में पतला करके कुछ पौधों की मिट्टी में सीमित मात्रा में इस्तेमाल किया जा सकता है। इसे रोज डालने या सीधे गमले में डालने से बचें। पहली बार कम मात्रा से शुरूआत करें और पौधे की स्थिति पर नजर रखें।

गर्मियों में घर में दही और छाछ बनना आम बात है। कई बार जरूरत से ज्यादा छाछ बच जाती है और एक-दो दिन बाद उसे पीने के बजाय

लोग सिंक में बहा देते हैं, लेकिन अगर आप घर में पौधे लगाते हैं, तो इस बची हुई छाछ का एक दूसरा इस्तेमाल कर सकते हैं। इसे सीधे गमले में डालने के बजाय पानी में अच्छी तरह पतला करके मिट्टी में दिया जा सकता है।

छाछ में मौजूद कुछ माइक्रोब्स मिट्टी को माइक्रोबियल एक्टिविटी में मदद कर सकते हैं। हालांकि, इसका इस्तेमाल सही मात्रा और सही अंतराल पर करना जरूरी है। ज्यादा

छाछ डालने से पौधे को फायदा होने के बजाय परेशानी हो सकती है।

छाछ पौधों के लिए कैसे काम आ सकती है

पौधे की अच्छी ग्रोथ के लिए सिर्फ पतियों का हरा दिखना काफी नहीं है। जड़ों के साथ गमले की मिट्टी की सेहत भी अच्छी होनी चाहिए। पतली की गई छाछ मिट्टी में कुछ लाभकारी माइक्रोब्स की एक्टिविटी को सपोर्ट कर सकती है। इससे मिट्टी में मौजूद पोषक तत्वों के

इस्तेमाल में पौधे को मदद मिल सकती है। हालांकि, इसे किसी पक्की खाद या पौधों की बीमारी का इलाज नहीं समझना चाहिए। पौधे की ग्रोथ कई चीजों पर निर्भर करती है, जैसे मिट्टी, धूप, पानी और जरूरी पोषक तत्व।

गमले में छाछ डालने का सही तरीका

छाछ को कभी भी गाढ़े रूप में सीधे मिट्टी में डालने से बचें। इसे पहले पानी में अच्छी तरह पतला करें। एक भाग छाछ में करीब 5 से 10 भाग पानी मिलाकर हल्का घोल तैयार किया जा सकता है। इस घोल को पौधे की जड़ों के आसपास मिट्टी में थोड़ी मात्रा में डालें। पहली बार इस्तेमाल कर रहे हैं, तो कम मात्रा से शुरूआत करना बेहतर रहेगा। पतियों पर स्रे करने की बजाय मिट्टी में देना ज्यादा आसान और सुरक्षित तरीका है।

कितने दिन में दें छाछ का घोल
छाछ का इस्तेमाल रोज या हर कुछ दिन में करने की जरूरत नहीं है। करीब 15 से 20 दिन के अंतराल पर थोड़ी मात्रा में इसका इस्तेमाल किया जा सकता है, अगर गमले की मिट्टी पहले से गीली है या उसमें पानी जमा है, तो उस समय छाछ का घोल न डालें। मिट्टी में लगातार ज्यादा नमी रहने से जड़ों को नुकसान हो सकता है।

अस्थमा से हैं परेशान... तो डाइट में शामिल करें बकरी का दूध, कफ बनने से रोकेगा; 90 दिन में मिलेगा असर



यदि आप लंबे समय से अस्थमा से परेशान हैं तो यह घरेलू उपचार अपने दिनचर्या में शामिल कर बेहतर राहत पा सकते हैं। अस्थमा से ग्रसित लोगों के लिए जिला आयुष चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. प्रभात कुमार ने खान पान से जुड़े एक घरेलू उपाय की जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि अस्थमा से पीड़ित लोग अपने डाइट में बकरी का दूध शामिल करें। नियमित रूप से इसका सेवन करने से परेशानी में राहत मिलती है।

डॉ. प्रभात कुमार ने बताया कि बकरी का दूध कई इलाकों में आसानी से उपलब्ध हो जाता है। उन्होंने इसके सेवन का तरीका बताते हुए कहा कि अस्थमा से पीड़ित व्यक्ति सुबह और शाम एक एक कप बकरी का दूध गर्म करके सेवन करें। उन्होंने 90 दिनों तक नियमित रूप से इसका सेवन करने की सलाह दी है।

आयुष चिकित्सा पदाधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि जिन मरीजों की अंग्रेजी दवा या इनहेलर पहले से चल रहा है। उन्हें डॉक्टर की सलाह के अनुसार उसका नियमित सेवन जारी रखना चाहिए।

घरेलू उपाय के साथ डॉक्टर द्वारा निर्धारित अस्थमा की दवा बंद करना उचित नहीं है। उन्होंने बताया कि अस्थमा सांस की नलियों से जुड़ी एक दीर्घकालिक बीमारी है। जिसमें सांस लेने में परेशानी, सीने में जकड़न, खांसी और सांस फूलने जैसी समस्या होती है।

डॉ. प्रभात कुमार ने बकरी के दूध को गर्म करके सुबह और शाम एक-एक कप सेवन करने की सलाह दी है। उन्होंने बताया कि करीब 90 दिनों तक लगातार इसका सेवन करने से राहत मिलती है।

उन्होंने बताया कि अस्थमा के मरीजों को धूल, धुआं, प्रदूषण से बचने की कोशिश करनी चाहिए।

दुर्गा पूजा के पंडाल क्यों होते हैं इतने खास? देवी पूजा कुलीन घरों के आंगन से कैसे आई सड़कों तक

दुर्गा पूजा के पंडाल आखिर इतने खास क्यों होते हैं? इनके पीछे सदियों पुरानी परंपरा, बंगाल का इतिहास, कलाकारों का हुनर और सामूहिक उत्सव की दिलचस्प कहानी छिपी है। जानिए कैसे पूजा के पारंपरिक स्थल आज कला, संस्कृति और अनोखी थीम की खुली प्रदर्शनी बन गए हैं और कोलकाता की दुर्गा पूजा को यूनेस्को से खास पहचान क्यों मिली।

दुर्गा पूजा यानी मां दुर्गा की भव्य प्रतिमा, रोशनी से जगमगाती सड़कें, खूबसूरत सजावट और रातभर घूमते मौज मस्ती करने लोंगों की अथह भीड़। खासकर कोलकाता में दुर्गा पूजा के पंडाल सिर्फ पूजा करने की जगह नहीं, बल्कि कला, संस्कृति, इतिहास और लोगों की भावनाओं का ऐसा संगम हैं, जिसे देखने के लिए देश विदेश से लोग पहुंचते हैं। कहीं मंदिर जैसा भव्य पंडाल नजर आता है, तो कहीं किसी ऐतिहासिक इमारत, गांव, जंगल या सामाजिक



मुद्दे से प्रेरित अनोखी सजावट लोगों को हैरान कर देती है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि दुर्गा पूजा में पंडाल बनाने की परंपरा शुरू कैसे हुई? मां दुर्गा की पूजा घरों से निकलकर विशाल सार्वजनिक आयोजनों तक कैसे पहुंची? और आखिर इन पंडालों को देखने के लिए हर साल लाखों लोग

क्यों उमड़ पड़ते हैं? इसके पीछे धार्मिक आस्था के साथ बंगाल का इतिहास, सामुदायिक भागीदारी, कलाकारों की मेहनत और इंसान के मन को आकर्षित करने वाली कई दिलचस्प वजहें छिपी हैं। आइए, इसे समझते हैं।

दुर्गा पूजा के पंडालों की शुरुआत कैसे हुई? जानें इतिहास

कभी राजबाड़ियों और जमींदारों की थी निजी पूजा (16वीं से 18वीं शताब्दी)–

शुरुआत में दुर्गा पूजा आम जनता का त्योहार नहीं थी, बल्कि यह राजाओं, समृद्ध जमींदारों और कुलीन 'बाबू' वर्ग के घरों के पहुंची? और आखिर इन पंडालों को इस निजी आयोजन में आम लोगों

की पहुंच बेहद सीमित होती थी और वे केवल दर्शक के रूप में ही शामिल हो सकते थे।

इतिहासविदों और शोध लेखों के अनुसार, 16वीं और 17th शताब्दी के दौरान तहरपुर के राजा कांग्सनारायण या नंदिना के जमींदार भवनानंद मजूमदार जैसे भूस्वामियों ने बड़े आयोजनों के रूप में दुर्गा पूजा की शुरुआत की थी। इसके अलावा, कोलकाता क्षेत्र में सबर्गन राय चौधरी परिवार (Sabarna Roy Choudhury family) द्वारा 1610 से अपने पैतृक आवास (बारीसा) में लगातार दुर्गा पूजा मनाए जाने के ऐतिहासिक रिकॉर्ड मौजूद हैं।

ब्रिटिश काल और उससे पहले के अभिलेखों से यह प्रमाणित होता है कि बंगाल के कुलीन जमींदार और रईस परिवार (जैसे शोभावजार राजबाड़ी) अपने प्रभाव, सामाजिक प्रतिष्ठा और राजनीतिक हैसियत को प्रदर्शित करने के लिए अपने घरों के

'ठाकुरदालान' (आंगन) में भव्य दुर्गा पूजा का आयोजन करते थे। 'बारोयारी' पूजा और पंडालों की नींव (1790)– वर्ष 1790 में पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के गुप्तपाड़ा में एक जमींदार द्वारा स्थानीय युवाओं को प्रवेश से रोके जाने पर बड़ा बदलाव

आया। अपमानित महसूस करने वाले 12 दोस्तों ने चंदा इकट्ठा करके खुद की दुर्गा पूजा की शुरुआत की, जिसे 'बारोयारी पूजा' (12 दोस्तों की पूजा) कहा गया और यहीं से अस्थायी पंडालों का सिलसिला शुरू हुआ। इस इतिहास का उल्लेख बंगाली

प्रकाशनों (जैसे आनंदबाजार पत्रिका के लेख और क्षेत्रीय शोध) के साथ-साथ सुदेशना बर्माजी की पुस्तक 'बारोयारी पूजा' (12 दोस्तों की पूजा) कहा गया और यहीं से प्रसिद्ध पुस्तक 'Calcutta: The Living City' (ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस) के अध्यायों में मिलता है।



नवरात्रि के दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी की भक्ति में लीन हुई कृति खरबंदा, धैर्य और शक्ति के लिए मांगा आशीर्वाद

मुंबई। अभिनेत्री कृति खरबंदा ने शारदीय नवरात्रि के दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी को नमन किया। सोमवार को अभिनेत्री ने माता रानी से धैर्य और आंतरिक शक्ति का आशीर्वाद मांगा।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसके साथ उन्होंने लिखा, “नवरात्रि का दूसरा दिन। आज मां, ब्रह्मचारिणी के शांत स्वरूप को नमन, जो हमें धैर्य और अंदरूनी ताकत देती हैं।”

शारदीय नवरात्रि का दूसरा दिन मां दुर्गा के द्वितीय स्वरूप मां ब्रह्मचारिणी की उपासना को समर्पित है। माता के एक हाथ में जपमाला और दूसरे हाथ में कमंडलु सुशोभित रहता है। वे श्वेत वस्त्र धारण करती हैं, जो पवित्रता और शांति का प्रतीक है। ‘ब्रह्म’ का अर्थ तपस्या और ‘चारिणी’ का अर्थ आचरण करने वाली है, अर्थात् तप का आचरण करने वाली। मां ब्रह्मचारिणी को तप, त्याग, वैराग्य, संयम और दृढ़ संकल्प की देवी माना गया है। इनकी आराधना से साधक को आत्मबल और धैर्य प्राप्त होता है।



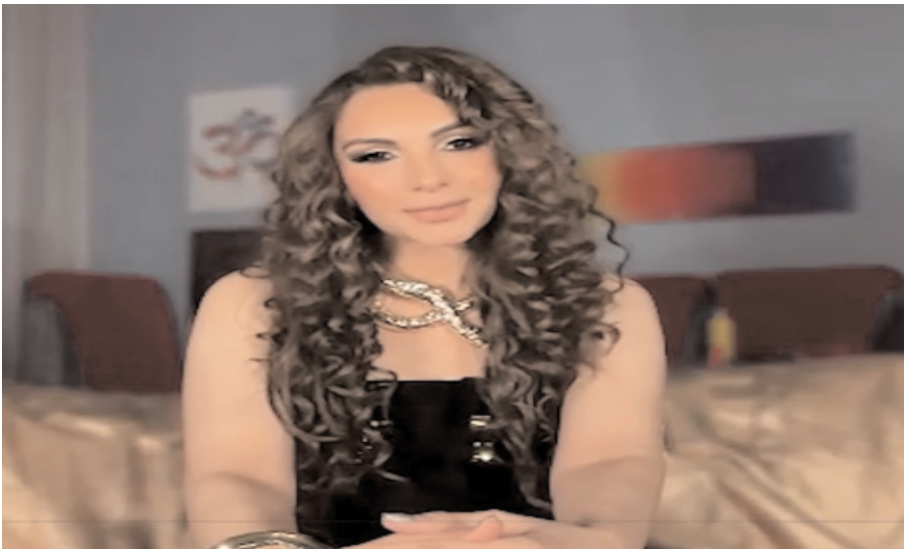
मां ब्रह्मचारिणी

पूजा विधि और भोग

इस दिन सफेद या पीले रंग के वस्त्र पहनना शुभ माना जाता है। माता को सफेद और लाल फूल जैसे चमेली, कमल या गुडहल अर्पित किए जाते हैं। मां ब्रह्मचारिणी को शक्कर, मिश्री, पंचामृत या दूध से बनी सफेद मिठाइयों का भोग लगाया जाता है।

“मां से धैर्य और
आंतरिक शक्ति का
आशीर्वाद मांगा है।”
— कृति खरबंदा

‘एक बार भी अफेयर की चर्चा नहीं सुनी’, गोविंदा-करिश्मा के रिश्ते पर सोमी अली ने सालों बाद बताई ‘सच्चाई’



विश्व केसरी■

मुंबई। बॉलीवुड में 90 के दशक में गोविंदा और करिश्मा कपूर की जोड़ी को लोगों ने काफी पसंद किया। पर्दे पर दोनों की नजदीकियों को देखकर उस दौर में उनके रिश्ते को लेकर चर्चाएं होने लगी थीं। हालांकि, इन अफवाहों की कभी कोई

आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई।

अब एक बार फिर गोविंदा की निजी जिंदगी को लेकर चर्चाएं तेज हैं। उनकी पत्नी सुनीता आहूजा ने हाल ही में उनकी को-स्टार कोमल रानी के साथ कथित संबंधों को लेकर आरोप लगाए हैं। इसी बीच, गोविंदा के साथ फिल्म में काम कर चुकीं अभिनेत्री सोमी

अली ने करिश्मा कपूर के साथ उनके कथित अफेयर पर अपनी बात रखी।

आईएनएस के साथ खास बातचीत में सोमी अली ने गोविंदा और करिश्मा कपूर के रिश्ते को लेकर फैलने वाली चर्चाओं पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया कि गोविंदा और करिश्मा के अफेयर

को लेकर कभी कोई अफवाह नहीं सुनी। उन्होंने कहा, ‘लोलो (करिश्मा कपूर) के साथ ऐसा कभी नहीं हुआ। मैंने एक बार भी चिची (गोविंदा) और लोलो के अफेयर की अफवाह नहीं सुनी।’ सोमी ने आगे कहा, ‘सलमान खान ने भी करिश्मा के साथ कई फिल्मों में काम किया है। दोनों के बीच काफी अच्छी दोस्ती है, लेकिन मैंने कभी उनके अफेयर के बारे में भी नहीं सुना। मैं उस समय फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा थीं, लेकिन मुझे गोविंदा और करिश्मा के बीच किसी रिलेशनशिप की जानकारी नहीं थी।’

बातचीत के दौरान सोमी अली

ने कहा, ‘किसी की निजी जिंदगी और रिश्तों पर मैं टिप्पणी करना पसंद नहीं करती। जब कोई व्यक्ति किसी के साथ रिश्ते में रहना चाहता है, तो यह उसकी निजी पसंद है। मुझे किसी के फैसले पर सवाल उठाने या उसे गलत ठहराने का कोई अधिकार नहीं है।’

सोमी ने कहा, ‘मैं उस समय फिल्म इंडस्ट्री में मौजूद थीं और अगर गोविंदा और करिश्मा के बीच कुछ ऐसा होता, तो संभव है कि मुझे इसकी जानकारी मिलती। लेकिन मैंने ऐसी कोई बात नहीं सुनी। उस समय मैं खुद अपनी जिंदगी को समझने की कोशिश कर रही थीं।’

मोहित मलिक ने बताया खुशहाल रिश्ते का मंत्र, बोले- पार्टनर से बात करते रहें, साथ बढ़ते रहें

विश्व केसरी■

मुंबई। अभिनेता मोहित मलिक अभिनय में अपनी सक्रियता के साथ परिवार को समय देने से पीछे भी नहीं हटते हैं। अभिनेता ने बताया कि वे और पत्नी आपसी बातचीत के जरिए साथ में आगे बढ़ते हैं। मोहित मलिक ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने रोजमर्रा की जिंदगी की एक झलक शेयर करते हुए बताया कि दोनों का हर रात एक कप चाय पर साथ बैठकर अपनी जिंदगी के बारे में बात करने का रिवाज है। उन्होंने लिखा, ‘हर रात एक कप चाय पर, मैं और अदिति बातें करते हैं। कभी अपने दिन के बारे में, जिंदगी के बारे में, कभी ऐसी बातें जो हमें परेशान कर रही हों, तो कभी उन बातों के बारे में जिन्हें हम ठीक से कह भी नहीं पाते।’

मोहित ने कहा कि उनकी बातचीत में अक्सर एक-दूसरे से सवाल करना, असहमत होना, सुनना और दूसरे के नजरिए को समझने की कोशिश करना शामिल होता है। उन्होंने बताया कि सालों बाद उन्हें एहसास हुआ है कि साथ बढ़ने का मतलब हर बात पर एक ही राय होना नहीं है।

उन्होंने लिखा, ‘इन सालों में हमें समझ आया है कि साथ रहने का मतलब एक दूसरे की बातों से सहमत होना नहीं है, बल्कि एक



एक-दूसरे को सुन पाए, एक-दूसरे के हो सके। ये छोटा सा रिवाज सालों से हमारी जिंदगी का हिस्सा है और अब हम इसका एक हिस्सा आपके साथ शेयर करना चाहते हैं। इसलिए नहीं कि हमने रिश्तों को समझ लिया है, बल्कि इसलिए क्योंकि हम अभी साथ-साथ इसे समझ रहे हैं। चीनी कितनी चम्मच। बात करते रहें, साथ बढ़ते रहें।’

मोहित मलिक और अदिति शिरवाड़कर भारतीय टेलीविजन

इंडस्ट्री के जाने-माने और सबसे लोकप्रिय कपल्स में से एक हैं। दोनों की मुलाकात टीवी शो ‘मिली’ के सेट पर हुई थी, जहां दोनों के बीच दोस्ती हुई और फिर प्यार। मोहित ने 1 अप्रैल 2006 को अदिति को प्रपोज किया था और लंबी डेटिंग के बाद 1 दिसंबर 2010 को दोनों शादी के बंधन में बंधे। शादी के करीब 10 साल बाद 27 अप्रैल 2021 को दोनों ने बेटे एकवीर का स्वागत किया।

दिलजीत दोसांझ के फैसले से खुश हुए सांसद विक्रमजीत साहनी, कहा-पंजाब का सच्चा सपूत है दिलजीत



विश्व केसरी■

मुंबई। अभिनेता और गायक दिलजीत दोसांझ ने अपने ‘ऑरा इंडिया टूर’ के दिल्ली कॉन्सर्ट की तारीख बदल दी है। इस पर खुशी जाहिर करते हुए राज्यसभा सांसद विक्रमजीत सिंह साहनी ने अभिनेता का शुक्रिया अदा किया।

दरअसल, अभिनेता-गायक दिलजीत दोसांझ का यह कॉन्सर्ट पहले 1 नवंबर को होना था, जो 1984 के सिख विरोधी दंगों की बरसी के दिन पड़ रहा था। सिख विरोधी दंगों की संवेदनशीलता

और पंजाबी प्रमोशन कार्ड्सिल व अन्य प्रतिनिधियों की अपील के बाद सिख समुदाय की भावनाओं का सम्मान करते हुए 1 नवंबर की बजाय इस शो को 30 अक्टूबर को शिफ्ट किया गया है।

राज्यसभा सांसद विक्रमजीत सिंह साहनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने पीड़ितों और उनके परिवारों की भावनाओं का सम्मान करने के लिए दिलजीत को धन्यवाद दिया। उन्होंने लिखा, ‘दिलजीत दोसांझ का तहे दिल से

धन्यवाद कि उन्होंने 1 नवंबर को दिल्ली में परफॉर्म न करने की हमारी अपील को मान लिया। 1 नवंबर 1984 के दुखद सिख विरोधी दंगों की बरसी का दिन है, अब कॉन्सर्ट 30 अक्टूबर को होगा।’

उन्होंने आगे लिखा, ‘दिलजीत पंजाब का सच्चा सपूत है, पगड़ी पहनने वाला एक ग्लोबल आइकॉन है और लाखों लोगों के लिए प्रेरणा है। पीड़ितों और उनके परिवारों की भावनाओं के प्रति उनकी संवेदनशीलता दिखाती है कि इतने बड़े मुकाम पर होने के बाद भी उनमें कितनी जिम्मेदारी और करुणा है। वो इसी तरह पंजाब और भारत का नाम रोशन करते रहें।’

बता दें कि 1 नवंबर 1984 की तारीख भारतीय सिखों और पंजाबियों के इतिहास का सबसे काला और दर्दनाक दिन है, जब पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद सिखों के खिलाफ बड़े पैमाने पर भीषण दंगे और नरसंहार शुरू हो गया था। 31 अक्टूबर 1984 को देश की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की उनके ही सिख अंगरक्षकों ने हत्या कर दी थी।

इस हत्या के अगले ही दिन यानी 1 नवंबर 1984 को देश की राजधानी दिल्ली समेत कई हिस्सों में सिखों के खिलाफ संगठित हिंसा, हत्याएं, आगजनी और लूटपाट भड़क उठी।

मंदाकिनी को सता रही मनाली की याद, बोलीं- ‘कुछ जगहें दिल में बस जाती हैं’

विश्व केसरी■

मुंबई। हिंदी फिल्म ‘राम तेरी गंगा मैली’ से घर-घर में पहचान बनाने वाली अभिनेत्री मंदाकिनी भले ही अब फिल्मों में पहले की तरह सक्रिय नहीं हैं, लेकिन सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस से जुड़ी रहती हैं। वह इंस्टाग्राम पर अक्सर अपनी जिंदगी से जुड़े पल साझा करती रहती हैं। इस कड़ी में उन्होंने मनाली की खूबसूरत वादियों का वीडियो शेयर किया और पहाड़ों में घूमने का अनुभव साझा किया।

मंदाकिनी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर मनाली से जुड़ा एक वीडियो साझा किया है। इसमें वह ब्लू

कलर के कुर्ते और ब्लैक पैंट में नजर आ रही हैं। वीडियो में वह हरी-भरी वादियों के बीच घूमती दिखाई दे रही हैं। इस दौरान उन्होंने एक बकरी को पकड़ा हुआ है और मुस्कुराते हुए आगे बढ़ रही हैं। वीडियो में मनाली की प्राकृतिक खूबसूरती और वहां का शांत वातावरण भी देखने को मिल रहा है।

इस वीडियो के साथ मंदाकिनी ने मनाली में बिताए खूबसूरत दिनों की याद किया। उन्होंने बर्फ से ढके पहाड़ों, शानदार नजारों और प्रकृति की शांति के बीच दोबारा लौटने की इच्छा जताई। उन्होंने लिखा, ‘मनाली में बिताए उन खूबसूरत दिनों की याद आ रही है। बर्फ से ढके पहाड़ों, शानदार

नजारों और प्रकृति की शांत खूबसूरती के बीच दोबारा जाने का मन कर रहा है। कुछ जगहें सिर्फ यादें ही नहीं देतीं बल्कि हमारे दिल का एक हिस्सा भी अपने साथ जोड़ लेती हैं। जब तक हम दोबारा नहीं मिलते, मनाली... जल्द ही पहाड़ों में, प्रकृति के जादू के बीच फिर मुलाकात होगी। मंदाकिनी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी चर्चित फिल्म ‘राम तेरी गंगा मैली’ के रिलीज को 41 साल पूरे होने पर खुशी जताई थी। इस मौके पर उन्होंने कहा कि इतने साल बीतने के बाद भी फिल्म को दर्शकों से मिलने वाला प्यार उनके लिए बेहद खास है।

रैपर बादशाह ने ‘हसल’ के कंटेस्टेंट को बताया परिवार, बोले- सभी की थोड़ी-थोड़ी यादें साथ लेकर जाऊंगा

विश्व केसरी■

मुंबई। बादशाह ने हाल ही में रैप रियलिटी शो ‘हसल 5 - अपना होमग्राउंड’ में जज के तौर पर सफर खत्म कर लिया है। बादशाह ने बताया कि शो में जज बनने से पहले वह काफी हिचकिचा रहे थे, क्योंकि उनके दोस्तों और हिप-हॉप कम्युनिटी के कई लोगों को शो में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा था।

बादशाह ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें शो में जज और कंटेस्टेंट के साथ बिताए गए यादगार पल शामिल हैं।

बादशाह ने इस पोस्ट के जरिए बताया कि शो का हिस्सा बनने से पहले उन्होंने कुछ शर्तें रखी थीं, जिनमें उन्होंने कलाकारों के लिए सही कॉन्टैक्ट और विनर के लिए इतनी बड़ी प्राइज मनी की मांग की थी, जिससे किसी कंटेस्टेंट की जिंदगी बदल सके।

बादशाह ने लिखा, ‘रैप रियलिटी शो ‘हसल 5 - अपना होमग्राउंड’ में जज बनने के लिए मेरी तरफ से पहले मना ही थी।



क्योंकि पहले बहुत कुछ हो चुका था और मैं अपने दोस्तों, हिप-हॉप कम्युनिटी के साथ प्लेटफॉर्म बनाने की उनकी सच्ची लगन जो हुआ था, उसे नजरअंदाज नहीं कर सकता था। हालांकि, टीम की बात सुनने के बाद बदल लिया था।’

मुझे युवा कलाकारों के लिए एक अच्छा प्लेटफॉर्म बनाने की उनकी सच्ची लगन जो हुआ था, उसे नजरअंदाज नहीं कर सकता था। हालांकि, टीम की बात सुनने के बाद बदल लिया था।’

उन्होंने आगे लिखा, ‘क्योंकि टैलेंट को तालियों से ज्यादा मौकों, संसाधनों और ऐसे व्यक्ति की जरूरत होती है जो उस पर भरोसा करें। फिर मैं इन बच्चों से मिला। अजनबी चेहरे धीरे-धीरे जाने-पहचाने बन गए और फिर मुझे इनकी परवाह होने लगी, देखते ही देखते ये सब अब परिवार बन गए। उनका डर मेरी चिंता बन गया, छोटी-छोटी जीत में खुशी मिलने लगी।’

बादशाह ने बताया कि उन्होंने युवा कलाकारों को सिर्फ उन्हीं चीजों से बचाने की कोशिश की, जिससे बचा सकते थे। उन्होंने कहा, ‘मैं जानता था कि वे पहले से ही अपने कंधों पर कितना कुछ लेकर चल रहे हैं और इसी क्रम में पता ही नहीं चला कि हम कब फिनले तक पहुंच गए। जिंदगी अजीब है, कभी-कभी यह एक ऐसा दरवाजा खोल देती है, जिससे आप गुजरना भी नहीं चाहते थे और दूसरी तरफ आपको कुछ इतना खूबसूरत मिलता है कि आप सोचते हैं कि अगर आपने यह मौका कभी न लिया होता तो आप क्या कुछ मिस कर देते।’

बिम्सटेक देशों के गृह मंत्रियों की बैठक में बांग्लादेश की भागीदारी तय

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से बिम्सटेक देशों के गृह मंत्रियों की बैठक इस सप्ताह होने जा रही है। बैठक में नेपाल की ओर से गृह मंत्री सुदन गुरुंग शामिल होने की खबर है, जबकि बांग्लादेश का प्रतिनिधित्व वरिष्ठ सचिव मंजूर मोर्शेद चौधरी करेंगे।

द काठमांडू पोस्ट के अनुसार, गुरुंग तीन दिवसीय दौर पर रहेंगे। सत्ता संभालने के बाद उनकी ये पहली विदेश यात्रा है। नेपाल के गृह मंत्रालय के मुताबिक वो 12 अक्टूबर को नई दिल्ली पहुंचेंगे और विभिन्न मंत्री स्तरीय बैठकों का हिस्सा बनेंगे।

मीटिंग से जुड़े एक अधिकारी ने दैनिक को बताया कि बैठक में सदस्य देशों के बीच कई क्रॉस-कटिंग सिक्वोरिटी मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। अधिकारी ने कहा कि इन मुद्दों की सिफारिश बिम्सटेक के गृह सचिव और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की अलग-



अलग तारीखों पर हुई बैठकों में की गई थी। सहयोग और समन्वय को मजबूत करने का सिक्वोरिटी कोऑपरेशन बिम्सटेक के रीजनल एजेंडा का एक ज़रूरी हिस्सा रहा है। अगस्त 2018 में काठमांडू में हुए चौथे शिखर सम्मेलन में, नेताओं ने लां एनफोर्सेमेंट, को बढावा देने के लिए बिम्सटेक गृह मंत्रियों इंटेलिजेंस और सिक्वोरिटी एजेंसियों के बीच

सलाहकारों की बैठक जारी रखने का भी फैसला किया। नेपाली अधिकारियों के मुताबिक, मंत्रियों की बैठक से पहले बिम्सटेक गृह सचिव की बैठक होगी।

बे ऑफ बंगाल इनिशिएटिव फॉर मल्टी-सेक्टरल टेकिनकल एंड इकोनॉमिक कोऑपरेशन (बिम्सटेक) की बैठक 13 अक्टूबर को भारत में आयोजित की जा रही है। सात सदस्यों वाले क्षेत्रीय समूह के गृह मंत्रियों की यह पहली बैठक है। गृह मंत्रियों की मीटिंग 1997 में रीजनल ग्रुप बनने के बाद पहली बार हो रही है, और इसका आयोजन राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में किया गया है। वहीं, बांग्लादेश की ओर से मंजूर मोर्शेद चौधरी तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। बांग्लादेश की न्यूज एजेंसी यूएनबी ने इसकी जानकारी दी। बैठक में सदस्य देशों के बीच आंतरिक सुरक्षा, आतंकवाद से मुकाबले और क्षेत्रीय सहयोग से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है।

होर्मुज स्ट्रेट मार्ग ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा का हिस्सा : उप-विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी

विश्व केसरी ■

तेहरान। होर्मुज स्ट्रेट को लेकर ईरान ने सख्त रुख अपनाया हुआ है। उप-विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा है कि यह जलमार्ग ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा का हिस्सा है। नियम उल्लंघन करने वाले जहाजों पर कार्रवाई होगी।



इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) के अनुसार, गरीबाबादी ने रविवार शाम दक्षिणी ईरान के होमोजगन प्रांत की राजधानी बंदर अब्बास में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि जब तक अमेरिका अपने वादों और प्रतिबद्धताओं पर वापस नहीं लौटता, तब तक ईरान इस रणनीतिक समुद्री मार्ग पर अपना नियंत्रण बनाए रखेगा।

उन्होंने कहा, 'होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट) ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा का अभिन्न हिस्सा है और अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने का

घोषित नियमों को जलडमरूमध्य में सख्ती से लागू किया जा रहा है। इन नियमों के तहत युद्धपोतों के गुजरने पर रोक है, जबकि व्यावसायिक जहाज ज़रूरी समन्वय और अनुमति मिलने के बाद ही वहां से गुजर सकते हैं।

उन्होंने कहा, 'फिलहाल कोई भी जहाज ईरान के साथ समन्वय किए बिना इस जलडमरूमध्य से नहीं गुजर सकता। जो जहाज ऐसा करने की कोशिश करेंगे, वे ईरान की ओर से घोषित नियमों का उल्लंघन करेंगे और हमारी सशस्त्र सेनाएं उनके खिलाफ कार्रवाई कर सकती हैं।'

आईआरएनए के अनुसार, उप विदेश मंत्री ने होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही को लेकर ईरान और ओमान के बीच बनी एक सहमति का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कानूनी और तकनीकी दृष्टि से यह समझौता महत्वपूर्ण और संतुलित है।

संक्षिप्त खबर

दक्षिण ऑस्ट्रेलिया स्टेट में पुलिसकर्मियों परे 25 प्रतिशत हमले बढ़े

विश्व केसरी ■
सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के दक्षिण ऑस्ट्रेलिया राज्य में पुलिस अधिकारियों पर हमलों की घटनाओं में 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि कई अन्य तरह के अपराधों में कमी आई है। दक्षिण ऑस्ट्रेलिया पुलिस की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, अगस्त 2026 तक के 12 महीनों की अवधि में ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों पर हमलों की संख्या 635 से बढ़कर 793 हो गई। यह लगातार 12वीं बार है जब इस तरह की घटनाओं में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, इस दौरान लूटपाट (रोबरी) की घटनाओं में 13 प्रतिशत की कमी आई। इनकी संख्या 501 से घटकर 438 रह गई। पिछली रिपोर्टिंग अवधि में भी इसमें 16 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी। हत्या और उससे जुड़े अपराधों की संख्या 53 से घटकर 42 हो गई, यानी इसमें 21 प्रतिशत की कमी आई। वहीं, दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से चोरी की घटनाएं भी तीन प्रतिशत घटकर 21,757 रह गईं। हालांकि, घरों में चोरी के लिए घुसपैठ की घटनाएं बढ़ी हैं। आवासीय क्षेत्रों में ऐसी घटनाएं 5,584 से बढ़कर 5,947 हो गईं, जबकि गैर-आवासीय इमारतों में घुसपैठ के मामले 3,391 से बढ़कर 3,513 दर्ज किए गए।

जम्मू-कश्मीर में अलग-अलग सड़क हादसों में दो की मौत, दो घायल

विश्व केसरी ■
श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में सड़क हादसों की दो अलग-अलग घटनाओं में एक युवक और एक महिला की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हो गए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। बारामूला जिले के पट्टन इलाके में हैदरबेग के पास 10 सेक्टर के नजदीक एक डंपर की टक्कर लोड कैरियर गाड़ी से हो गई, जिसमें एक युवक की मौत हो गई और उसके पिता घायल हो गए। डंपर ट्रक ने लोड कैरियर को टक्कर मारी, जिसे अर्धतनाग जिले के बिजबेरा के रहने वाले मुर्तजा शब्बीर भट चला रहे थे। हादसे में मुर्तजा और उनके पिता शब्बीर अहमद भट घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए ट्रामा होस्पिटल पट्टन ले जाया गया। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने मुर्तजा को मृत घोषित कर दिया, जबकि उनके पिता को बेहतर इलाज के लिए श्रीनगर के झेलम वैली कॉलेज होस्पिटल रेफर कर दिया गया। पुलिस पोस्ट पलहलन ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सोमवार को हुई एक और सड़क दुर्घटना में अर्धतनाग जिले के फुरही मीर बाजार इलाके में एक कार को टक्कर से मोटरसाइकिल सवार एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया। इस टक्कर से बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक महिला की पहचान फरीदा अख्तर के तौर पर हुई है, वहीं उसका पति मोहम्मद अल्लाफ भट घायल हो गया। घायल को अस्पताल ले जाया गया है। पुलिस ने घटना का संज्ञान लिया है। जम्मू-कश्मीर में सड़क दुर्घटनाएं सार्वजनिक सुरक्षा के लिए एक बड़ी समस्या हैं; इस कड़े शासित प्रदेश में आबादी के अनुपात में मौत की दर राष्ट्रीय औसत से लगभग दोगुनी है।



रूस के सैन्य-औद्योगिक ढांचे को ईयू ने बनाया निशाना, 1600 नए प्रतिबंधों को मंजूरी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। यूरोपीय संघ (ईयू) की विदेश नीति प्रमुख काजा कल्लास ने बताया कि ईयू ने रूसी आक्रामकता को नियंत्रित करने के उद्देश्य से रूस पर नए कड़े प्रतिबंध लगाए हैं।

उन्होंने बताया कि ईयू के विदेश मंत्रियों ने रूस के खिलाफ लगभग 1,600 नए प्रतिबंधों को मंजूरी दी है। अब तक लगाए प्रतिबंधों में यह सबसे बड़ी कार्रवाई है।



कल्लास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, 'यूरोपीय संघ (ईयू) के विदेश मंत्रियों ने रूस के सैन्य-औद्योगिक ढांचे को निशाना बनाते हुए लगभग 1,600 नए प्रतिबंधों को मंजूरी दी है। रूस की ओर से युद्ध शुरू किए जाने के बाद से यह प्रतिबंध सूची का अब तक का सबसे बड़ा विस्तार माना जा रहा है। यूरोप ने एक बार फिर दिखाया है कि वह इस मुद्दे पर एकजुट होकर खड़ा है।'

उन्होंने पोस्ट में आगे लिखा, 'इन नए

प्रतिबंधों में शामिल आधे से अधिक लोग, कंपनियां और संस्थाएं बैलिस्टिक मिसाइलों के उत्पादन और उनकी सप्लाई (ईयू) के विदेश मंत्रियों ने रूस के सैन्य-औद्योगिक ढांचे को निशाना बनाते हुए लगभग 1,600 नए प्रतिबंधों को मंजूरी दी है। रूस की ओर से युद्ध शुरू किए जाने के बाद से यह प्रतिबंध सूची का अब तक का सबसे बड़ा विस्तार माना जा रहा है। यूरोप ने एक बार फिर दिखाया है कि वह इस मुद्दे पर एकजुट होकर खड़ा है।'

ईयू का मानना है कि अमेरिका की इस ढील

यूपी में 60 हजार ग्राम प्रहरियों का बढ़ेगा मानदेय, सालाना 12 हजार की बढ़ोतरी

विश्व केसरी ■

लखनऊ। प्रदेश के करीब 60 हजार ग्राम प्रहरियों को योगी सरकार बड़ी सौगात देने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 13 अक्टूबर को बरेली में उनका मानदेय एक हजार रुपये प्रतिमाह बढ़ाने की घोषणा करेंगे। इससे ग्राम प्रहरियों का मासिक मानदेय 2500 से बढ़कर 3500 रुपये हो जाएगा। एकमुश्त 40 प्रतिशत की इस वृद्धि से प्रत्येक ग्राम प्रहरी को सालाना 12 हजार रुपये अतिरिक्त मिलेंगे। मुख्यमंत्री योगी बरेली पुलिस लाइन में ग्राम प्रहरियों को सम्मानित भी करेंगे।



पुलिस के सूचना तंत्र की अहम कड़ी हैं। स्थानीय थानों से संबद्ध ये प्रहरी ग्रामीण क्षेत्रों में संदिग्ध गतिविधियों, आपसी विवादों और कानून व्यवस्था से जुड़ी सूचनाएं पुलिस तक पहुंचाते हैं।

गांवों और थानों के बीच संपर्क बनाए रखने वाले ग्राम प्रहरी लंबे समय से मानदेय बढ़ाने की मांग कर रहे थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रस्तावित घोषणा से उनकी यह व्यवस्था से जुड़े ग्राम प्रहरियों में प्रदेश में इनकी अनुमानित संख्या 60 हजार है। इस आधार पर मानदेय में

बढ़ोतरी से सरकार पर प्रतिमाह करीब सात करोड़ और सालाना 84 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वित्तीय भार आएगा। इसके लिए अनुपूर्क बजट में धनराशि का प्रावधान किए जाने की संभावना है।

योगी सरकार ने हाल के महीनों में मानदेय पर कार्यरत विभिन्न वर्गों की आय बढ़ाने के निर्णय लिए हैं। परिषदीय विद्यालयों में मध्याह्न भोजन तैयार करने वाली करीब 3.53 लाख रसोइयों का मानदेय 2000 से बढ़ाकर 3000 रुपये प्रतिमाह किया गया है।

जमशेदपुर में भाजपा-कांग्रेस कार्यकर्ताओं में हिंसक झड़प, पथराव में 10 से अधिक घायल

विश्व केसरी ■

जमशेदपुर। झारखंड के जमशेदपुर में सोमवार को बिष्टुपुर स्थित कांग्रेस मुख्यालय (तिलक पुस्तकालय) के बाहर जेएनयू प्रकरण को लेकर विरोध प्रदर्शन के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़प हो गई।

दोनों पक्षों के बीच हुए पथराव और मारपीट में 10 से अधिक लोग घायल हो गए, जिनमें भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष दिनेश कुमार और कांग्रेस के एक उपाध्यक्ष शामिल हैं। दोनों के सिर में गंभीर चोटें आई हैं।

घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। भाजपा महानगर महिला मोर्चा ने मणिपुर से कांग्रेस सांसद एवं पूर्व प्रोफेसर डॉ. अंगोमचा बिमोल



अकोईजाम के खिलाफ कार्रवाई, गिरफ्तारी और बर्खास्तगी को मांग को लेकर कांग्रेस मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन का कार्यक्रम तय किया था।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, भाजपा कार्यकर्ताओं को सोमवार सुबह करीब 11:30 बजे बिष्टुपुर के जी टाउन क्लब मैदान में एकत्र हुए, जहां से वे मार्च निकालते हुए कांग्रेस कार्यालय पहुंचे। कांग्रेस मुख्यालय के सामने पहुंचते ही दोनों दलों के कार्यकर्ता आमने-सामने

आ गए। पहले नारेबाजी हुई और फिर तीखी नोकझोंक के बाद गोहल इतना बढ़ गया कि दोनों तरफ से लाठी-डंडे और पत्थर चलने लगे। इस अचानक हुए संघर्ष में दोनों पक्षों के कई लोग लहलुहान हो गए।

हालांकि, झड़प की शुरुआत किस पक्ष से हुई, इसकी स्पष्ट जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत हरकत में आई।

देश में अराजकता फैलाने सोची- समझी साजिश: फडणवीस

विश्व केसरी ■

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को विपक्ष और एक्टिविस्ट समूहों पर तीखा हमला किया और प्रदर्शनकारियों से मिलने से इनकार करने के भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत के फैसले का बचाव किया।



कहा कि सीजेआई ने अपने संवैधानिक अधिकारों के दायरे में रहकर काम किया और न्यायपालिका के इस रुख की तारीफ की कि शिकायतों का समाधान कानूनी तौर पर अदालतों के अंदर होना चाहिए, न कि सड़कों पर दबाव बनाकर।

उन्होंने आरोप लगाया कि लोकतंत्र के स्वतंत्र स्तंभों, जैसे सुप्रीम कोर्ट, चुनाव आयोग और रिजर्व बैंक ऑफ

इंडिया को व्यवस्थित रूप से कमजोर करने की एक सोची-समझी साजिश चल रही है। उन्होंने कहा कि इन समूहों का अंतिम लक्ष्य नागरिकों को यह यकीन दिलाना है कि संवैधानिक ढांचे न्याय नहीं दिला सकते। हाल के प्रदर्शनों पर फडणवीस ने कानूनी लोकतांत्रिक विरोध और अराजकता के बीच फर्क बताया। उन्होंने उन घटनाओं की ओर इशारा किया जहां भीड़ ने भड़काऊ नारेबाजी करके हद्दें पार की। उन्होंने कहा कि जब आपराधिक रिकॉर्ड वाले हजारों लोग सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ने के लिए इकट्ठा होते हैं। तो यह शांतिपूर्ण विरोध नहीं बल्कि पूरी तरह से अराजकता होती है। मौजूदा विरोध प्रदर्शनों की तुलना रचनात्मक लोकतांत्रिक बातचीत से करते हुए फडणवीस ने कहा कि उनका प्रशासन किसी से भी बातचीत करने को तैयार है।

सुप्रीम कोर्ट ने मुख्यमंत्री मान के ओएसडी से जुड़ी सीबीआई जांच पर रोक लगाने से किया इनकार

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के ओएसडी (विशेष इयूटी पर तैनात अधिकारी) राजवीर घुमन और अन्य लोगों पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों के मामले में सीबीआई की एफआईआर पर रोक लगाने से इनकार कर दिया, लेकिन साथ ही यह निर्देश दिया कि इस मामले में कोई कठोर कार्रवाई न की जाए।



जस्टिस प्रसन्ना बी. वराले की बेंच ने पंजाब सरकार की उस याचिका पर नोटिस जारी किया, जिसमें पंजाब और हरियाणा हाई

कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें सीबीआई को भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच करने में लेने का निर्देश दिया गया था। ये आरोप एनफोर्सेमेंट डायरेक्टरेट (ईडी) द्वारा पंजाब के डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) गौरव यादव को लिखे गए तीन पत्रों से जुड़े

थे। हाई कोर्ट ने सीबीआई को मामला दर्ज करने और दो महीने के भीतर स्टेटस रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया था, साथ ही पंजाब सरकार और पुलिस से केंद्रीय जांच एजेंसी को पूरा सहयोग देने को भी कहा था।

ईडी ने दावा किया था कि घुमन और उनके सहयोगी नितिन गोहल और बीर देविंदर प्रशासनिक ट्रांसफर और पोस्टिंग के साथ-साथ सरकारी टेंडर में भी दखल दे रहे थे और ईडी ने एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी।

ब्रिक्स पारंपरिक और स्वदेशी खेल 2026 का रंगारंग उद्घाटन



विश्व केसरी ■
अहमदाबाद। ब्रिक्स पारंपरिक और स्वदेशी प्रदर्शन खेल 2026 का आयोजन सोमवार को वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, नारणपुरा में किया गया। इस कार्यक्रम में गणमान्य अतिथियों, विभिन्न देशों के प्रतिनिधिमंडलों, खिलाड़ियों, खेल विशेषज्ञों, तकनीकी अधिकारियों और सहयोगी संस्थानों ने भाग लिया। इस आयोजन का उद्देश्य ब्रिक्स देशों की खेल विरासत, सांस्कृतिक विविधता और लोगों के बीच आपसी संबंधों का उत्सव मनाना था। खेलों का उद्घाटन करते हुए,

केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि भारत भविष्य के लिए तैयार खेल इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश करके खेल को राष्ट्र-निर्माण के केंद्र में रख रहा है। केंद्रीय मंत्री ने गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संधवी की उपस्थिति में कार्यक्रम का उद्घाटन किया। 10 ब्रिक्स देशों के प्रतिनिधियों और अन्य उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, केंद्रीय खेल मंत्री ने एक खेल-प्रेमी राष्ट्र बनाने की भारत की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा, 'भारत खेल को राष्ट्र-निर्माण के केंद्र में रख रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भारत खेल के मैदान से लेकर

पोडियम (जीत के मंच) तक अवसर पैदा करके अपने खेल इकोसिस्टम को बदल रहा है। डॉ. मांडविया ने कहा, 'जमीनी स्तर पर भागीदारी, प्रतिभा की पहचान, कोचिंग, खेल विज्ञान, इंफ्रास्ट्रक्चर विकास, खिलाड़ियों के कल्याण और अंतरराष्ट्रीय अनुभव जैसे व्यापक 360-डिग्री दृष्टिकोण के साथ, भारत भविष्य के लिए एक टिकाऊ खेल इकोसिस्टम बना रहा है। इस बदलाव को समर्थन देने के लिए, हमने अपनी 'खेलो इंडिया' पहल के तहत लगभग 3.76 बिलियन अमेरिकी डॉलर की राशि आवंटित की है।' डॉ. मांडविया ने पारंपरिक और

स्थानीय खेलों को बचाने और बढ़ावा देने के लिए ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग के तीन व्यावहारिक क्षेत्रों का प्रस्ताव रखते हुए कहा, 'ब्रिक्स के पारंपरिक और स्थानीय खेल न केवल यह दिखाने का मंच प्रदान करते हैं कि कोई खेल कैसे खेला जाता है, बल्कि उस इतिहास, मूल्यों और सांस्कृतिक संदर्भ को भी उजागर करते हैं जो हर परंपरा को अनूठा बनाते हैं। इस पहल को आगे बढ़ाते हुए, भारत सहयोग के तीन व्यावहारिक क्षेत्रों का प्रस्ताव करता है। पहला, हमें पारंपरिक और स्थानीय खेलों का एक स्वैच्छिक ब्रिक्स रिपॉजिटरी (संग्रह) बनाने की दिशा में काम करना चाहिए, जिसमें उनके इतिहास, सांस्कृतिक महत्व, नियमों, उपकरणों और खेल के मैदान की आवश्यकताओं का दस्तावेजीकरण किया जाए। दूसरा, हमें ब्रिक्स देशों के खिलाड़ियों, कोचों, शोधकर्ताओं, शिक्षण संस्थानों और सांस्कृतिक विशेषज्ञों



के बीच आपसी आदान-प्रदान को बढ़ावा देना चाहिए। तीसरा, हमें भविष्य में होने वाले ब्रिक्स खेल आयोजनों में पारंपरिक और स्थानीय खेलों के समय-समय पर प्रदर्शन की संभावनाओं पर विचार करना चाहिए।' डॉ. मांडविया ने आगे बताया कि कैसे भारत 'फिट इंडिया मूवमेंट' के जरिए खेलों को जीवन का हिस्सा बनाने की दिशा में बड़े कदम उठा रहा है। उन्होंने कहा, 'फिट इंडिया मूवमेंट के जरिए हम फिटनेस को जीवन शैली के रूप में बढ़ावा दे रहे हैं। हमारे 'संडे ऑन साइकिल' अभियान को जबरदस्त सफलता मिली है, जिसमें हर रविवार 3 लाख से ज्यादा जगहों पर 50 लाख से अधिक लोग साइकिलिंग के लिए आते हैं। अब तक पूरे भारत में 'संडे ऑन साइकिल' के 94 आयोजन हो चुके हैं।

वेस्टइंडीज के पास मेरे लिए एक योजना थी: अभिषेक शर्मा



विश्व केसरी ■
इंदौर। भारत के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने बताया कि वेस्टइंडीज के ऑफ स्पिनर रोस्टन चेज के खिलाफ उनकी धीमी और सावधानी भरी शुरुआत पहले से बनाई गई रणनीति का हिस्सा थी। उन्होंने कहा कि वेस्टइंडीज ने उनके लिए खास योजनाएं तैयार की थीं, इसलिए शुरुआत में जोखिम लेने के बजाय उन्होंने परिस्थितियों को समझने और गेंदबाजों को परखने पर ध्यान दिया। इसके बाद जब वह लय में आ गए, तो अभिषेक ने अपने स्वाभाविक आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की और होल्कर स्टैडियम में खेले गए तीसरे टी20 इंटरनेशनल मैच के पावरप्ले के

दौरान बड़े शॉट्स लगाए। अभिषेक ने 30 गेंदों में 69 रनों की तृफानी पारी खेली, जिसमें उन्होंने 18 गेंदों में अपनी फिफ्टी पूरी की। यह भारत की शुरुआती स्थिति के बिल्कुल उलट था - पहले दो ओवरों में केवल 11 रन बने थे और संजू सैमसन जल्दी आउट हो गए थे। अभिषेक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया, 'मेरे दिमाग में यह बात थी कि उनके पास मेरे खिलाफ एक योजना थी। जाहिर है कि पहले ओवर में एक ऑफ-स्पिनर (रोस्टन चेज) ने गेंदबाजी की। इसी कारण यह बस मेरे और उनके बीच की लड़ाई थी। मैंने पहले ओवर में उनका सम्मान किया क्योंकि मुझे लगता है कि वह इस सीरीज में वास्तव में अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं।

ला लीगा: 2-2 वैलेंसिया और रेसिंग सैंटेंडर के बीच मैच ड्रॉ रहा

विश्व केसरी ■
सैंटेंडर। वैलेंसिया सीएफ ने ला लीगा के मैचडे 8 में रियल रेसिंग सैंटेंडर के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला। इस मुकाबले में वैलेंसिया के लिए दानी राबा और डेविड ओटोरेबी ने गोल किए। वैलेंसिया ने मैच की शानदार शुरुआत की और मुकाबला शुरू होने के एक मिनट के भीतर ही बढ़त हासिल कर ली। जेवियर एगुइरे की टीम के लिए दानी राबा ने हाल ही में प्रमोट हुई रेसिंग सैंटेंडर के खिलाफ शुरुआती गोल दागा। हालांकि, मेजबान टीम ने 32वें मिनट में वापसी की। इनिगो विसेंट ने शानदार मूव बनाते हुए यासिर जव्वीरी को गोल करने का मौका दिया, जिसे उन्होंने भुनाकर स्कोर 1-1 कर दिया। हालांकि, वैलेंसिया के युवा सब्स्टीट्यूट डेविड ओटोरेबी ने 65वें मिनट में गोल करके अपनी टीम को 2-2 से ड्रॉ दिलाया। एक अन्य मैच में इस्को ने दो गोल किए और रियल बेटिस ने अपने घरेलू मैदान पर ओसासुना को 5-2 से हराया, जिससे वे ला लीगा



में तीसरे स्थान पर पहुंच गए और टॉप पर चल रही बार्सिलोना से पांच अंक पीछे हैं। ओसासुना के डिफेंडर उनाई सैंटोस के फाउल करने के बाद इस्को ने दसवें मिनट में पेनल्टी स्पॉट से गोल करके खाता खोला, और 31वें मिनट में कुचो हर्नांडेज की मदद से एज अब्दे ने बेटिस की बढ़त को दोगुना कर दिया। हाफ टाइम के तीन मिनट बाद बेटिस 3-0 से आगे हो गई जब एंटे बुदिमिर का क्लोयरेस का प्रयास डिएगो लॉरेंटे से टकराकर नेट में

चला गया, लेकिन बुदिमिर और बेटिस के पूर्व फॉरवर्ड राउल गार्सिया के तेज गोल ने ओसासुना को मुकाबले में वापस ला दिया। इस्को ने मैच में अपना दूसरा गोल करके बेटिस की दो गोल की बढ़त को फिर से कायम किया, जिसके बाद डेब्यू करने वाले जोस एंटोनियो मोरांटे ने स्ट्राइक टाइम में स्कोरिंग पूरी की। दूसरी ओर, रियल सोसिदाद ने दूसरे हाफ में डेपोर्टिवो ला कोरुना की जबरदस्त वापसी की कोशिश को नाकाम करते हुए अपने

घरेलू मैदान पर 3-2 से जीत हासिल की, जबकि मैच के आखिर में उनके पास दस खिलाड़ी ही बचे थे। टीम को शुरुआती बढ़त जॉन मार्टिन ने दिलाई, जिन्होंने कार्लोस सोलर के कॉर्नर पर शानदार हेडर लगाकर गोल किया। इसके बाद आर्सेन जखार्यान ने 34वें मिनट में गोल कर बढ़त 2-0 कर दी। सोसिदाद ने अपनी बढ़त और मजबूत कर ली जब गोंकालो गुएडेस ने हाफवे लाइन से शानदार दीड़ लगाने हुए बाएं पैर से बेहतरीन गोल दागा और स्कोर 3-0 कर दिया। हालांकि, डेपोर्टिवो ने हार नहीं मानी और वापसी की कोशिश जारी रखी। मारियो सोरियानो ने 61वें मिनट में गोल कर डेपोर्टिवो का खाता खोला। इसके चार मिनट बाद सोसिदाद को बड़ा झटका लगा, जब पाब्लो मारिन को बिल एन'सोंगो को गोल करने का स्पष्ट मौका रोकने के कारण रेड कार्ड दिखाया गया। डेपोर्टिवो को इसके बाद पेनल्टी मिली, जिसे यरेमे हर्नांडेज ने गोल में बदलकर अंतर 3-2 कर दिया।

‘सानिया मिर्जा एक लेजेंड खिलाड़ी और मेरी आदर्श हैं’: माया राजेश्वरन

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। भारत की युवा टेनिस खिलाड़ी माया राजेश्वरन रेवती का मानना है कि उनका पहला प्रोफेशनल सिंगल्स खिलाब सीनियर सर्किट में उनके सफर की बस शुरुआत है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 डबल्स खिलाड़ी सानिया मिर्जा से आगे निकलने का सवाल ही नहीं उठता, जिन्हें वह अपना आदर्श मानती हैं। आप असल में उनसे आगे निकल सकते हैं, क्योंकि वह एक लेजेंड हैं और हमेशा लेजेंड ही रहेंगी। इसलिए मुझे लगता है कि मैं कई मायनों में उन्हें अपना आदर्श मानती हूँ, क्योंकि जब मैं देश में बड़ी हो रही थी, तब वह मेरी आदर्श थीं। उन्होंने ही इतने वर्षों बाद देश में टेनिस को पहचान दिलाई है। इंटरव्यू और पॉडकास्ट के जरिए सानिया के सफर को देखने वाली माया ने कहा कि उन्होंने इस टेनिस आइकन के साथ ज्यादा बातचीत तो नहीं की है, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि वह उनके अनुभव से सीख पाएंगी। उन्होंने कहा, हालांकि, मैंने उनसे ज्यादा बात नहीं की है।

भारत की सबसे सफल टेनिस खिलाड़ियों में से एक सानिया से आगे निकलने के बारे में पूछे जाने पर माया ने तुरंत इस तुलना को खारिज कर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पूर्व ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने अमली पीढ़ी के लिए कितनी बड़ी विरासत छोड़ी है। मीडिया के साथ एक चर्चुअल बातचीत के दौरान माया ने 'आईएनएस' से ?'कहा, 'मुझे नहीं लगता कि आप असल में उनसे आगे निकल सकते हैं, क्योंकि वह एक लेजेंड हैं और हमेशा लेजेंड ही रहेंगी। इसलिए मुझे लगता है कि मैं कई मायनों में उन्हें अपना आदर्श मानती हूँ, क्योंकि जब मैं देश में बड़ी हो रही थी, तब वह मेरी आदर्श थीं। उन्होंने ही इतने वर्षों बाद देश में टेनिस को पहचान दिलाई है। इंटरव्यू और पॉडकास्ट के जरिए सानिया के सफर को देखने वाली माया ने कहा कि उन्होंने इस टेनिस आइकन के साथ ज्यादा बातचीत तो नहीं की है, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि वह उनके अनुभव से सीख पाएंगी। उन्होंने कहा, हालांकि, मैंने उनसे ज्यादा बात नहीं की है।

सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने सैन्य खिलाड़ियों को किया सम्मानित

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने सोमवार को एशियाई खेलों में पदक जीतने वाले सेना के खिलाड़ियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों की उपलब्धियों, अनुशासन और मेहनत की सराहना की। सेना का लक्ष्य युवा प्रतिभाओं को सही प्रशिक्षण और बेहतर सुविधाएं देकर अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार करना है, ताकि वे ओलंपिक में भी देश के लिए पदक जीत सकें। गौरतलब है कि भारतीय सेना के खिलाड़ियों ने ऐसी उपलब्धियां हासिल कीं, जिन्होंने भारतीय खेल जगत में नए कीर्तिमान स्थापित किए। नायब सूबेदार नीरू ढांडा ने दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। वह एशियाई खेलों में महिलाओं की ट्रेप नशिनेबाजी में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। एथलेटिक्स में नायब सूबेदार गुलवीर सिंह ने तीन व्यक्तिगत पदक जीते। वहीं, हवलदार सावन बरवाल ने मैराथन में रजत पदक हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि के साथ



भारत का इस स्पर्धा में पदक जीतने का 44 साल का इंतजार समाप्त हुआ। हवलदार अंकुश ने भी स्वर्ण पदक जीतकर सेना की प्रतिभा तलाशने और खिलाड़ियों को तैयार करने की व्यवस्था की सफलता को सामने रखा। सेना के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन केवल एशियाई खेलों तक सीमित नहीं रहा। वर्ष 2026 में ग्लासगो में हुए राष्ट्रमंडल खेलों में भी उन्होंने दमदार प्रदर्शन किया था। वहां सेना के खिलाड़ियों ने 8 स्वर्ण, 7 रजत और 1 कांस्य सहित कुल 16 पदक जीते थे। यह भारत के कुल पदकों का 41 प्रतिशत था। दो बड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में लगातार बेहतर प्रदर्शन सेना की खेल प्रशिक्षण व्यवस्था की मजबूती को दर्शाता है। दरअसल, सेना की मिशन ओलंपिक शाखा खिलाड़ियों को तैयार करने का काम कर रही है। इस व्यवस्था के तहत खिलाड़ियों को विशेषज्ञ प्रशिक्षकों की मदद

सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने विश्वास जताया कि सेना के खिलाड़ी अपने दृढ़ संकल्प, अनुशासन और उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर आगे भी देश का गौरव बढ़ाते रहेंगे। भारतीय सेना का लक्ष्य खेल प्रतिभाओं को निखारना, अंतरराष्ट्रीय स्तर के चैंपियन तैयार करना और भारत को विश्व की अग्रणी खेल शक्तियों में शामिल करने के प्रयासों में महत्वपूर्ण योगदान देना है।

खेल विज्ञान, आधुनिक तकनीक, संतुलित पोषण, चोटों से बचाव और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के अवसर दिए जाते हैं। इसका उद्देश्य खिलाड़ियों की क्षमता को निखारना और उन्हें विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना है। भारतीय सेना ने अब लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 को अपने खेल कार्यक्रम का प्रमुख लक्ष्य बनाया है। राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों में मिली सफलता के बाद खिलाड़ियों की व्यक्तिगत जरूरतों के अनुसार प्रशिक्षण, प्रदर्शन में सुधार, वैज्ञानिक तैयारी और भविष्य के पदक विजेताओं की नई पीढ़ी तैयार करने पर जोर दिया जाएगा। सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने विश्वास जताया कि सेना के खिलाड़ी अपने दृढ़ संकल्प, अनुशासन और उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर आगे भी देश का गौरव बढ़ाते रहेंगे। भारतीय सेना का लक्ष्य खेल प्रतिभाओं को निखारना, अंतरराष्ट्रीय स्तर के चैंपियन तैयार करना और भारत को विश्व की अग्रणी खेल शक्तियों में शामिल करने के प्रयासों में महत्वपूर्ण योगदान देना है।

खेल विज्ञान, आधुनिक तकनीक, संतुलित पोषण, चोटों से बचाव और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के अवसर दिए जाते हैं। इसका उद्देश्य खिलाड़ियों की क्षमता को निखारना और उन्हें विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना है। भारतीय सेना ने अब लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 को अपने खेल कार्यक्रम का प्रमुख लक्ष्य बनाया है। राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों में मिली सफलता के बाद खिलाड़ियों की व्यक्तिगत जरूरतों के अनुसार प्रशिक्षण, प्रदर्शन में सुधार, वैज्ञानिक तैयारी और भविष्य के पदक विजेताओं की नई पीढ़ी तैयार करने पर जोर दिया जाएगा। सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने विश्वास जताया कि सेना के खिलाड़ी अपने दृढ़ संकल्प, अनुशासन और उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर आगे भी देश का गौरव बढ़ाते रहेंगे। भारतीय सेना का लक्ष्य खेल प्रतिभाओं को निखारना, अंतरराष्ट्रीय स्तर के चैंपियन तैयार करना और भारत को विश्व की अग्रणी खेल शक्तियों में शामिल करने के प्रयासों में महत्वपूर्ण योगदान देना है।

रणजी ट्रॉफी: रवींद्र जडेजा का चला बल्ला, सौराष्ट्र के लिए लगाया शतक, रिकू ने भी बिखेरा जलवा

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। रणजी ट्रॉफी 2026-27 सीजन की शुरुआत रवींद्र जडेजा ने सौराष्ट्र की ओर से खेलते हुए शानदार अंदाज में की है। जडेजा ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए शतकीय पारी खेली। वहीं, उत्तर प्रदेश की तरफ से खेलते हुए रिकू सिंह ने भी शतक लगाया। जडेजा ने छत्तीसगढ़ के खिलाफ खेलते हुए 209 गेंदों का सामना करते हुए 102 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 7 चौके लगाए। जडेजा जब बल्लेबाजी करने उतरे, तो सौराष्ट्र का स्कोर 3 विकेट खोकर 120 रन था। उन्होंने चौथे विकेट के लिए चिराग जानी के साथ मिलकर 31 रनों की साझेदारी निभाई। चिराग के आउट होने के बाद प्रेरक मांकड़ के रूप में जडेजा को अच्छा जोड़ीदार मिला। दोनों ने मिलकर पांचवें विकेट के लिए 205 रनों की बेहतरीन साझेदारी निभाई। प्रेरक ने 150 गेंदों का सामना करते हुए 129 रनों की बेहतरीन पारी खेली। जडेजा और प्रेरक की शतकीय पारी की बदौलत



सौराष्ट्र की टीम 392 रनों के टोटल तक पहुंचने में सफल रही। चिराग जानी ने 83 रनों का योगदान दिया। वहीं, बिहार के खिलाफ उत्तर प्रदेश की तरफ से खेलते हुए रिकू सिंह ने 168 गेंदों में 112 रन बनाए। उन्होंने अपनी इस पारी में 8 चौके और 3 छक्के लगाए। रिकू ने माधव कौशिक के साथ मिलकर 312 गेंदों में 207 रनों की साझेदारी निभाई। माधव ने भी 150 रनों की दमदार पारी खेली। बड़ौदा की तरफ से खेलते हुए दीपक हुड्डा ने गोवा के खिलाफ अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने 98 गेंदों में 5

चौकों की मदद से 52 रन बनाए। हालांकि, राजस्थान की ओर से खेलते हुए मानव सुथार बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 17 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, हैदराबाद की तरफ से खेलते हुए मोहम्मद सिराज त्रिपुरा के कर्नाटक के साथ मिलकर हुए केएल राहुल बल्ले से फ्लॉप रहे थे और वह सिर्फ 4 रन ही बना सके थे, जबकि मुंबई के लिए खेले हुए यशस्वी जायसवाल भी बिना खाता खोले पवेलियन लौटे थे।

भारत बन रहा वैश्विक आर्थिक शक्ति का नया केंद्र, एआई और बदलते पूंजी प्रवाह से बढ़ेंगे अवसर: रिपोर्ट



विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर पूंजी प्रवाह में बदलाव, भू-राजनीतिक आधार पर बंटते व्यापार और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते प्रभाव के बीच भारत विकास की बाधाओं को पीछे छोड़ते हुए बहुध्रुवीय दुनिया में एक प्रमुख आर्थिक केंद्र के रूप में उभर रहा है। सोमवार को जारी ब्लूमबर्ग इकोनॉमिक्स की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया भर में पूंजी प्रवाह, व्यापारिक रिश्तों और उद्योगों की संरचना तेजी से बदल रही है। एआई क्रांति शुरू हो चुकी है, मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का विस्तार नए निर्यात अवसर पैदा कर रहा है और शहरीकरण की गति लगातार बढ़ रही है। ब्लूमबर्ग इकोनॉमिक्स के मुख्य अर्थशास्त्री टॉम ऑल्लिक ने कहा कि इन सभी बदलावों के बीच भारत

विकास में मौजूद कई बाधाओं को कम करते हुए वैश्विक व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत का विस्तार होता मुक्त व्यापार नेटवर्क 2035 तक देश की जीडीपी में 140 अरब डॉलर से 170 अरब डॉलर तक का अतिरिक्त योगदान दे सकता है। विनिर्माण लागत कम करने और कृषि क्षेत्र से श्रमिकों को अधिक उत्पादक क्षेत्रों में

स्थानांतरित करने जैसे घरेलू सुधार इन लाभों को और बढ़ा सकते हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि वैश्विक पूंजी प्रवाह अब पहले की तुलना में अधिक केंद्रित और राजनीतिक होता जा रहा है। प्रतिद्वंद्वी देशों के बीच पूंजी निवेश मित्र देशों की तुलना में लगभग 40 प्रतिशत कम है, जबकि निवेश का बड़ा हिस्सा एआई और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों की ओर बढ़ रहा है। भारत के लिए चुनौती यह होगी

कि वह अमेरिकी तकनीकी क्षेत्र की मजबूत मांग और विभिन्न देशों द्वारा दिए जा रहे निवेश प्रोत्साहनों के बीच वैश्विक पूंजी को आकर्षित करने की अपनी गति बनाए रखे। रिपोर्ट के मुताबिक, एआई भारत की आर्थिक वृद्धि दर में हर साल 0.9 प्रतिशत तक की अतिरिक्त बढ़ोतरी कर सकता है। इससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण मदद मिल सकती है।

हालांकि रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि बुनियादी ढांचे की सीमाएं एआई से मिलने वाले लाभ को कुछ हद तक सीमित कर सकती हैं। विशेष रूप से भारत का आईटी सेवा क्षेत्र अवसरों और चुनौतियों दोनों का सामना करेगा। एआई जहां कंपनियों को उच्च मूल्य वाली सेवाओं की ओर ले जा सकता है, वहीं स्वचालन कम लागत वाले श्रम आधारित मॉडल को चुनौती भी दे सकता है।

रिपोर्ट में भारत के शहरीकरण को भी एक बड़ी ताकत बताया गया है। इसके अनुसार, करीब 82 करोड़ भारतीय शहरी वातावरण में रहते हैं। यदि नगर प्रशासन, बुनियादी ढांचे और भूमि उपयोग योजना को और मजबूत किया जाता है, तो यह शहरी आबादी उत्पादकता वृद्धि का एक बड़ा स्रोत बन सकती है।

केंद्र सरकार का राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को बड़ा निर्देश, अस्पतालों में इलाज के शुल्क प्रमुखता से किए जाएं प्रदर्शित



विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने सोमवार को सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से कहा है कि वे यह सुनिश्चित करें कि अस्पताल और अन्य क्लिनिकल प्रतिष्ठान अपनी सेवाओं और सुविधाओं के लिए लिए जाने वाले शुल्क को प्रमुखता से प्रदर्शित करें। इस कदम का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही और मरीज-केंद्रित व्यवस्था को मजबूत करना है।

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को लिखे पत्र में कहा है कि संबंधित नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए और इलाज व स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े शुल्क की जानकारी मरीजों और उनके

परिजनों को आसानी से दिखाई और उपलब्ध हो। मंत्रालय के अनुसार, उपचार शुल्क की स्पष्ट जानकारी मिलने से मरीज और उनके परिवार इलाज पर होने वाले संभावित खर्च को पहले से समझ सकेंगे। इससे उन्हें बेहतर वित्तीय योजना बनाने और सूचित निर्णय लेने में मदद मिलेगी। साथ ही बिलिंग को लेकर होने वाले भ्रम और विवाद भी कम होंगे तथा स्वास्थ्य व्यवस्था के प्रति लोगों का भरोसा बढ़ेगा।

मंत्रालय ने कहा कि यह पहल स्वास्थ्य सेवाओं की अधिक पारदर्शी और मरीजों के अनुकूल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पत्र में क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट्स (रजिस्ट्रेशन एंड रेगुलेशन) एक्ट, 2010 और क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट्स

(सेंट्रल गवर्नमेंट) रूल्स, 2012 का उल्लेख किया गया है। इन नियमों के तहत संबंधित राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में क्लिनिकल प्रतिष्ठानों की अपनी सभी सेवाओं और सुविधाओं की दरें प्रमुख स्थान पर प्रदर्शित करना अनिवार्य है। शुल्क सूची अंग्रेजी के साथ-साथ स्थानीय भाषा में भी उपलब्ध कराई जानी चाहिए ताकि मरीजों और उनके परिजनों को जानकारी आसानी से समझ में आ सके।

मंत्रालय ने यह भी कहा कि जिन राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में केंद्रीय कानून लागू नहीं है, वहां भी स्वास्थ्य सुविधाओं का नियमन राज्य स्तर के नियमों के तहत किया जाता है और उनमें से कई नियमों में भी सेवा शुल्क प्रदर्शित करने के प्रावधान मौजूद हैं। स्वास्थ्य सचिव ने याद दिलाया कि स्वास्थ्य राज्य का विषय है, इसलिए इन नियमों को लागू करने और अनुपालन सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की है। मंत्रालय ने विदेशी मरीजों के लिए भी अधिक पारदर्शिता पर जोर दिया है। राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से कहा गया है कि वे अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थानों को मेडिकल वीजा और आयुष वीजा पर भारत आने वाले मरीजों के लिए उपलब्ध पैकेज दरों को प्रमुखता से प्रदर्शित करने के लिए प्रोत्साहित करें।

हर मिनट 4 महिलाओं को हो रहा ब्रेस्ट कैंसर, बचाव के लिए रोजमर्रा की इन आदतों में करें सुधार

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। ब्रेस्ट कैंसर आज दुनियाभर में महिलाओं की सेहत से जुड़ी एक बड़ी चिंता बन चुका है। हर मिनट 4 महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर का पता चलता है जबकि हर मिनट एक महिला की इस बीमारी से मौत हो जाती है। इस बीमारी के मामले लगातार लोगों का ध्यान खींच रहे हैं। यही वजह है कि अक्टूबर को ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता महीने के रूप में मनाया जाता है, ताकि लोगों को इस बीमारी के जोखिम, बचाव और समय पर पहचान के महत्व के बारे में बताया जा सके।



इस बीच संयुक्त राष्ट्र ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने की अपील की है। ब्रेस्ट कैंसर एक ऐसी बीमारी है, जिसमें स्तन की असामान्य कोशिकाएं तेजी से बढ़ने लगती हैं और धीरे-धीरे ट्यूमर का रूप ले सकती हैं। इसकी शुरुआत आमतौर पर दूध बनाने वाले लोब्यूल्स या

गंभीर और जानलेवा हो सकती है। हालांकि, अच्छी बात यह है कि अगर ब्रेस्ट कैंसर का शुरुआती चरण में पता चल जाए, तो इलाज के बेहतर नतीजे मिलने और मरीज के जीवित रहने की संभावना बढ़ सकती है। इसलिए शरीर में होने वाले बदलावों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2024 में दुनियाभर में अनुमानित 24 लाख महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर का पता चला और करीब 6 लाख 94 हजार महिलाओं की मौत इस बीमारी के कारण हुई। ब्रेस्ट कैंसर दुनिया के लगभग हर देश में महिलाओं को प्रभावित करता है। उम्र बढ़ने के साथ इसका जोखिम भी बढ़ता जाता है।

दूध की नलिकाओं से होती है। अगर समय रहते बीमारी की पहचान और इलाज न हो, तो कैंसर आसपास के ऊतकों, लिम्फ नोड्स और शरीर के दूसरे अंगों तक फैल सकता है। ऐसी स्थिति में बीमारी

अस्पताल के इलाज का खर्च प्रमुखता से प्रदर्शित करें, केंद्र ने सभी राज्यों को दिए निर्देश

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। पारदर्शिता, जवाबदेही और मरीज केंद्रित हेल्थकेयर सेवा को बेहतर बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा है कि वे क्लिनिकल संस्थानों द्वारा दी जाने वाली सेवाओं और सुविधाओं के लिए ली जाने वाली दरों को साफ तौर पर प्रदर्शित करें।

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को लिखे एक पत्र में लागू नियमों के पालन की समीक्षा करने और यह सुनिश्चित करने के लिए उचित कदम उठाने को कहा है कि हेल्थकेयर सेवाओं के चार्ज की जानकारी मरीजों और उनके साथ आए लोगों को साफ तौर पर दिखे और आसानी से मिल सके।

हेल्थकेयर की कीमतों में पारदर्शिता के महत्व पर जोर देते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि कीमतों को साफ तौर पर दिखाने से मरीजों और उनके परिवारों को इलाज के संभावित खर्च को समझने, हेल्थकेयर से जुड़े



स ह ी फें सले लेने और अपने मेडिकल खर्च की योजना बनाने में मदद मिलेगी। अधिक पारदर्शिता से अनावश्यक कम्प्यूजन और बिलिंग से जुड़े विवादों को कम करने में भी मदद मिलेगी। साथ ही, हेल्थकेयर सिस्टम में भरोसा और विश्वास भी

बढ़ेगा। यह पत्र ‘क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट्स (रजिस्ट्रेशन एंड रेगुलेशन) एक्ट, 2010’ और ‘क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट्स (सेंट्रल गवर्नमेंट) रूल्स, 2012’ का जिक्र करता है, जो क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट्स के लिए रेगुलेटरी फ्रेमवर्क (नियम-कानून का ढांचा) तय करते हैं। इन नियमों के तहत, जिन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में यह एक्ट लागू है, वहां क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट्स को मरीजों और उनके साथ आने वाले लोगों की सुविधा के लिए दी जाने वाली हर तरह की सर्विस और उपलब्ध सुविधाओं के रेट्स (दरें)

एक ऐसी जगह पर दिखाने होंगे जो आसानी से दिखाई दे। ये कीमतें स्थानीय भाषा और अंग्रेजी में होनी चाहिए। जिन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में यह एक्ट लागू नहीं है, वहां क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट्स को संबंधित राज्य और केंद्रशासित प्रदेश के नियमों के तहत रेगुलेट किया जाता है। इनमें से कई नियमों में हेल्थकेयर सर्विसेज और सुविधाओं के रेट्स दिखाने से जुड़े प्रावधान भी शामिल हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने मुख्य सचिवों से कहा है कि वे संबंधित अधिकारियों के जरिए नियमों का असरदार तरीके से पालन सुनिश्चित करें।

DR. PRAJWAL SONI
M.B.B.S., M.D.
Obstetrics & Gynaecologist
colposcopist
Laparoscopic Surgeon & Infertility Specialist.

Mo. 9827189970
9200668168

Soni Multispeciality Hospital and Maternity Home

📍 Bade Urla, Raipur Road, Abhanpur (C.G.)
📍 Amapara, Pitaiband Road, Rajim, Gariyaband (C.G.)
✉️ drprajwalsoni@gmail.com

📞 9116777722
📞 7509007388

रोज करें गोमुखासन, कंधे-पीठ के दर्द से मिलेगी राहत, फेफड़े होंगे मजबूत

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में खुद को स्वस्थ और तनावमुक्त रखने के लिए योग करना एक अच्छा विकल्प है। योग के विभिन्न आसनों में गोमुखासन शरीर को लचीला और मांसपेशियों को मजबूत रखने में मदद करता है। गोमुखासन नाम दो शब्दों से मिलकर बना है- ‘गो’ यानी गाय और ‘मुख’ यानी मुंह। इस आसन को करते समय शरीर की आकृति गाय के मुंह के समान दिखती है, इसलिए इसे गोमुखासन कहा जाता है। इस आसन को नियमित रूप से करने से कंधों, छाती और पीठ के ऊपरी हिस्से में खिंचाव मसूस



होता है। इस आसन में शरीर की मुद्रा गायक के मुख जैसी दिखाई

देती है, इसलिए इसे गोमुखासन कहा जाता है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, गोमुखासन बैठकर किए जाने

वाले महत्वपूर्ण आसनों में से एक है, जो आसन छाती और कंधों के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। दरअसल, इस आसन को करने के दौरान हाथों को पीठ के पीछे ले जाकर आपस में बांधा जाता है और छाती को आगे की ओर खोला जाता है। इस प्रक्रिया से छाती के हिस्से में खिंचाव आता है और छाती पूरी तरह से खुल जाती है। छाती खुलने से फेफड़ों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। फेफड़ों को फैलने और सिकुड़ने के लिए ज्यादा जगह मिलती है, जिससे उनकी कार्यक्षमता बढ़ती है और शरीर में ऑक्सीजन का प्रवाह बेहतर होता है। यही कारण है कि यह आसन सांस से जुड़ी

समस्याओं में काफी मददगार है। नियमित रूप से गोमुखासन का अभ्यास करने से अस्थमा, सांस फूलना और छाती में जकड़न जैसी परेशानियों में आराम मिलता है। इसके अलावा यह आसन कंधों और गर्दन की अकड़न को दूर करता है, पीठ को मजबूत बनाता है और शरीर के पोस्चर को भी सुधाराता है। यदि शुरुआत में पीठ के पीछे दोनों हाथ आपस में न मिलें, तो जबरदस्ती न करें। इसकी जगह आप किसी योग स्ट्रेप या रूमाल का सहारा ले सकते हैं। किसी भी व्यक्ति के घुटनों, कूल्हों, कंधों, कलाई या गर्दन में गंभीर दर्द या चोट है, तो यह आसन न करें।

कृषि हो या निर्माण क्वालिटी और मजबूती हमारी पहचान - **वीनस मशीनरी**

पावर वीडर, पैलेट मशीन, चाफ कटर, आरा चक्की, टोली, कंक्रीट मिक्सर, वाटर टैंकर, डेटरी स्पेयर, स्पेयर

निर्माण कार्य कृषि कार्य ग्रामीण क्षेत्र उद्योग एवं प्रोसेसिंग

सिंचाई एवं बागवानी किसानों हेतु उपयुक्त

निर्माता व विक्रेता :

वीनस मशीनरी

एफ-1, महिंद्रा शोरूम के बाजू में मेनरोड, देवपुरी, रायपुर (छ.ग.)
फ़ोन : 0771-3149312, मो. : 9343500569, 9516906000

Diwali Special Offer

विक्रयत बचत (अवरैकट)

लक्ष्मी इलेक्ट्रानिक

एसी, फ्रीज, कूलर, अलमारी, टीवी

सस्ते दामों में उपलब्ध

पुराना एसी लाईये, नया ले जाईये

बजाज फाईनैस की सुविधा उपलब्ध

गोंदवारा रोड गुडियारी रायपुर मो.-93004-92401

RAIPUR SMART BUSINESS

GST फाइल बनवाएं मात्र 500/-

ITR 25 वर्ष का अनुभव

• CMA Data • Balance Sheet • प्रोजेक्ट रिपोर्ट
• फूड लाइसेंस • Income Tax Audit • TDS रिफंड

हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार हैं।

संपर्क: शेखर गुप्ता RIFCO Tax Consultants
C-74, सेक्टर- 1, जुबेस्ता हॉस्पिटल के पास, देवेन्द्र नगर, रायपुर

Whatsapp पर बनवाएं 9300755544, 8878655544

Discover the new meaning of pleasure

Noorjaha Prime

DINING • BUFFET • ROOFTOP • LIVE BARBEQUE KITCHEN

City Kotwali Road, Baijnathpara. Raipur.
83700 09993

:H.O.:
• Madarsa Road Baijnathpara, Raipur.
Mobile: 83700 09994

:OUTLETS:
• Marine Drive, Telibandha, Raipur
Mo: 83570 09997

सीएम रेखा गुप्ता ने कॉलेज की छात्राओं से की सीधी बातचीत, सुरक्षा और शिक्षा पर दिया भरोसे का संदेश

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कॉलेज की छात्राओं के साथ सुरक्षा और शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने भरोसा दिलाया कि हर छात्रा आगे बढ़े, नेतृत्व करे और अपने सपनों को पूरा करे, इसके लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए सीएम रेखा गुप्ता ने कहा, 'आज मैंने दिल्ली के अलग-अलग कॉलेजों के स्टूडेंट प्रतिनिधियों से बातचीत की। इस अनौपचारिक मीटिंग में, स्टूडेंट्स ने अपने अनुभव शेयर किए और कॉलेजों में सुरक्षा, सुविधाओं और बेहतर शिक्षा के बारे में कई कीमती सुझाव दिए।' उन्होंने कहा, 'हमारी युवा पीढ़ी को सोच, उनके नए आइडिया और कुछ हासिल करने का उनका जोश हमें सच में प्रेरित करता है। आज के स्टूडेंट्स न सिर्फ अपने सपने पूरे करने के लिए बल्कि दिल्ली को बेहतर बनाने के लिए भी आगे आ रहे हैं।'



छात्रों के सुझावों को लागू करने को प्राथमिकता दी जाएगी। नियमित बातचीत के साथ-साथ, आने वाली युवा नीति और बजट की तैयारियों में भी उनकी भागीदारी बढ़ाई जाएगी।'

कॉलेजिएट महिला स्टूडेंट्स से बातचीत की और कहा कि खुद से मोटिवेशन, आत्मविश्वास और कुछ नया सीखने की इच्छा ही सफलता की असली ताकत हैं।

एक बयान के अनुसार, उन्होंने स्टूडेंट्स को अपनी क्षमताओं को पहचानने, नए कौशल सीखने और अपने सपनों को साकार करने के हर मौके का फायदा उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

एनसीडब्ल्यू ने दिल्ली यूनिवर्सिटी के अलग-अलग नॉन-कॉलेजिएट विमेंस एजुकेशन बोर्ड (एनसीडब्ल्यूईबी) सेंटर्स पर 'उड़ान' प्रोग्राम आयोजित किए। इनका मकसद स्टूडेंट्स के बीच सेल्फ-डेवलपमेंट, भविष्य के कौशल और कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े पीओएसएच एक्ट के बारे में जागरूकता बढ़ाना था।

बयान में कहा गया है कि इन पहलों के जरिए स्टूडेंट्स को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने और भविष्य के अवसरों के लिए तैयार होने का मौका मिला।



एसआईआर 33 लाख मामलों में से 20 लाख मामले सुलझाए गए : सीईओ

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) ने सोमवार को बताया कि दिल्ली में मतदाता सूची के चल रहे 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) के दौरान गड़बड़ियों को लेकर जिन 33 लाख मतदाताओं को नोटिस भेजे गए थे, उनमें से लगभग 20 लाख मतदाताओं से जुड़े मामलों का समाधान कर लिया गया है।

सीईओ ने एक बयान में कहा, 'दिल्ली की वोटर लिस्ट में लगभग 33 लाख एंट्रीज में लॉजिकल गड़बड़ी या अनमैप्ड होने की समस्या थी। हमने इन समस्याओं को सुलझाने के लिए एक प्रोएक्टिव कैपेन शुरू किया था। अब तक 33 लाख में से लगभग 20 लाख मामलों को सुलझा लिया गया है।' बयान में आगे कहा गया, 'यदि किसी व्यक्ति को कोई शिकायत है, तो कृपया 14,947 बीएलओ, 902 एईआरओ, 70 ईआरओ, 13 डीईओ या मुख्य निर्वाचन अधिकारी से संपर्क करें। किसी भी पात्र मतदाता को मतदाता सूची से बाहर नहीं किया जाएगा। एसआईआर प्रक्रिया के तहत दिल्ली में लगभग 33 लाख वोटर्स को नोटिस भेजे गए थे। ये नोटिस उनके एन्यूमेरेशन फॉर्म में दी गई जानकारी

में पाई गई गड़बड़ियों के कारण भेजे गए थे। ये नोटिस इसलिए भेजे गए थे ताकि वोटर्स दावों और आपत्तियों की प्रक्रिया के दौरान गड़बड़ियों को स्पष्ट कर सकें और जरूरी दस्तावेज जमा कर सकें। नोटिस पाने वाले वोटर्स की लिस्ट में कई जानी-मानी हस्तियां और अलग-अलग उम्र के वोटर्स शामिल हैं।

पूर्व उपप्रधानमंत्री एल.के. आडवाणी, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और चुनाव आयुक्त एस.एस. संधू को एसआईआर प्रक्रिया के दौरान दी गई जानकारी में गड़बड़ी के कारण नोटिस भेजे गए थे। 97 लाख से अधिक मतदाताओं वाली ड्राफ्ट वोटर लिस्ट (मतदाता सूची) जारी होने के बाद 33.13 लाख मतदाताओं को नोटिस भेजे गए, जिनकी दी गई जानकारी में गड़बड़ी पाई गई थी। इनमें से अधिकतर नोटिस इसलिए भेजे गए क्योंकि मतदाताओं द्वारा दी गई जानकारी 2002 में हुए पिछले 'स्पेशल इंटेसिव रिविजन' (विशेष गहन समीक्षा) के रिकॉर्ड से मेल नहीं खा रही थी। हालांकि, नोटिस मिलने का मतलब यह नहीं है कि वोटर का नाम वोटर लिस्ट से हटा दिया गया है। यह प्रक्रिया मतदाताओं को अपनी जानकारी स्पष्ट करने और संबंधित चुनाव पंजीकरण अधिकारियों को जरूरी सहायक दस्तावेज जमा करने का मौका देती है।

‘दुर्गा’ योजना का पोर्टल लॉन्च, 1,170 महिलाओं और 130 ट्रांसजेंडर्स को मिलेंगे ई-ऑटो

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। महिलाओं और ट्रांसजेंडर समुदाय को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और दिल्ली में लास्ट-माइल कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'दुर्गा' योजना शुरू की गई है। योजना के तहत शुरुआती चरण में लगभग 1,300 ई-ऑटो दिए जाएंगे। इसमें 1,170 महिलाओं और 130 ट्रांसजेंडर्स को शामिल किया गया है। मंत्री पंकज सिंह ने योजना के पोर्टल का शुभारंभ करते हुए यह जानकारी दी।

मंत्री ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक



रूप से मजबूत बनाना, ट्रांसजेंडर समुदाय को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना और राजधानी में स्वच्छ परिवहन व्यवस्था को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा कि यह योजना 'स्वच्छ दिल्ली, सशक्त दिल्ली' के लक्ष्य को आगे

तैयारी है। उन्होंने कहा कि ई-ऑटो मिलने से महिलाओं को आर्थिक मजबूती मिलेगी और वे रोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ सकेंगी। इसके साथ ही ई-ऑटो के जरिए लोगों को उनके गंतव्य तक पहुंचने के लिए बेहतर लास्ट-माइल कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। मंत्री पंकज सिंह ने स्पष्ट किया कि योजना के लाभार्थियों को ईवी पॉलिसी 2026 के तहत मिलने वाली प्रोत्साहन राशि और सब्सिडी का लाभ भी दिया जाएगा।

उत्तराखंड की 315 सड़कों के प्रस्तावों को लेकर सीएम धामी ने केंद्रीय मंत्री शिवराज से की चर्चा

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री, कृषि एवं किसान कल्याण और ग्राम्य विकास शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात कर उत्तराखंड में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के अंतर्गत सड़कों के निर्माण एवं प्रस्तावों की स्वीकृति के संबंध में चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया कि उत्तराखंड में ग्रामीण क्षेत्रों को सड़क सुविधा से जोड़ने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत 315 सड़कों के प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजे गए हैं। इन सड़कों के निर्माण



से प्रदेश की 610 बसावटों को सड़क संपर्क से जोड़ने में मदद मिलेगी। इससे दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन सुगम होने के साथ ही स्थानीय निवासियों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और अन्य आवश्यक सुविधाओं तक पहुंचने में सहाय्य मिलेगी।

मुख्यमंत्री धामी ने इन प्रस्तावों को जल्द से जल्द स्वीकृति प्रदान करने का अनुरोध करते हुए कहा कि पर्वतीय भौगोलिक परिस्थितियों वाले उत्तराखंड में सड़क संपर्क ग्रामीण विकास की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। सड़क सुविधा के

विस्तार से सीमांत एवं दूरस्थ क्षेत्रों के विकास को गति मिलेगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री को आश्वस्त किया कि उत्तराखंड द्वारा प्रस्तुत सड़कों के प्रस्तावों को जल्द से जल्द स्वीकृति प्रदान करने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार से मिले सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों तक बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

इग्गस केस का दोषी पैरोल जंपर 5 साल बाद गिरफ्तार

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की यूनिट ने एक ऐसे दोषी गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है, जो कोविड-19 महामारी के दौरान मिली पैरोल खत्म होने के बाद जेल वापस नहीं लौटा था और पिछले करीब पांच वर्षों से फरार चल रहा था।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान अजय जारवाल तोरेला (40) के रूप में हुई है। वह एनडीपीएच एक्ट के तहत दर्ज एक मामले में दोषी करार दिया जा चुका था। उसे वर्ष 2021 में कोविड-19 के दौरान पैरोल पर रिहा किया गया था, लेकिन पैरोल अवधि समाप्त होने के बाद उसने जेल प्रशासन के समक्ष आत्मसमर्पण नहीं किया और फरार हो गया।

क्राइम ब्रांच के अनुसार आरोपी वर्ष 2011 में मालवीय नगर इलाके में दर्ज



एक मामले में पकड़ा गया था। पुलिस ने उसके कब्जे से करीब 161.2 किलोग्राम गांजा बरामद किया था। इस मामले में उसे अदालत द्वारा दोषी ठहराया गया था और वह जेल में सजा काट रहा था।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पैरोल पर बाहर आने के बाद आरोपी लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था और गिरफ्तारी से बचने के लिए बेहद लो-

सरकार ने दवा विकास कार्यक्रम के लिए 86 करोड़ रुपए को दी मंजूरी

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के तहत आने वाले टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट बोर्ड (टीडीबी) ने एआई आधारित दवा विकास कार्यक्रम के लिए पीप्ट्रस टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस परियोजना के लिए सरकार ने रिसर्च डेवलपमेंट एंड इनोवेशन (आरडीआई) फंड के तहत 86 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता मंजूर की है।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुसार, 'वीगर: एडवॉर्सिंग एआई-डिस्कवरी मॉलिक्यूल्स फ्रॉम बेंच टू



क्लीनिक' नामक इस परियोजना की कुल लागत 172 करोड़ रुपए है, जिसके तहत एआई की मदद से खोजी गई चार संभावित दवाओं को प्री-क्लिनिकल विकास, वैलिडेशन और क्लिनिकल ट्रायल की तैयारी के जरिए टेक्नोलॉजी रेडीनेस लेवल

बदलने के लिए व्यापक प्रयोगशाला परीक्षण, प्री-क्लिनिकल अध्ययन और क्लिनिकल विकास की जरूरत होती है। पेप्ट्रस का वीगर कार्यक्रम इसी महत्वपूर्ण अंतर को पाटने का प्रयास करेगा।

यह कार्यक्रम उन बीमारियों पर केंद्रित है जहां अभी भी प्रभावी उपचार की जरूरत बनी हुई है। परियोजना में 'पीईपीआर111' (न्यूरोमस्क्युलर विकार और कैंसर), 'पीईपीआरएक्स101' (बाल झड़ने की समस्या या एलोपेसिया), 'पीईपीआर202' (न्यूरोपैथी) और 'पीईपीआर112' (ड्यूनेन मस्क्युलर डिस्टॉफी) जैसी चार दवा उम्मीदवार शामिल हैं।

सीमावर्ती क्षेत्रों का सफर तय करेंगे इलेक्ट्रिक वाहन, सेना प्रमुख ने किया रवाना

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। भारतीय सेना का एक दल हिमालय के दुर्गम रास्तों पर इलेक्ट्रिक वाहनों की क्षमता परखेगा। यह दल दिल्ली से भारत के अंतिम गांव माणा तक, फिर पूर्वोत्तर की ओर बढ़ेगा। सेना हरित परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में यह अनूठी पहल कर रही है।

इस यात्रा में नाथू ला और बुम ला जैसे ऊंचाई वाले दरों को पार करना भी शामिल है। ये दरें समुद्र तल से 4,500 मीटर से अधिक की ऊंचाई पर स्थित हैं। इतनी ऊंचाई पर कम तापमान, कठिन चढ़ाई और चुनौतीपूर्ण भौगोलिक परिस्थितियों के बीच इलेक्ट्रिक वाहनों का प्रदर्शन इस अभियान को खास बनाता है। सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने 12 अक्टूबर को दिल्ली छावनी



स्थित मानेकशां केंद्र से 'स्टैलिंस पैन-हिमालयन ईवी राइडर्स एक्सपीडिशन' (स्पेयर) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह दल लगभग 4,850 किलोमीटर लंबा है। यह अभियान हिमालय, गंगा के मैदानी इलाकों और पूर्वोत्तर भारत के विविध भौगोलिक क्षेत्रों से होकर गुजरेगा। इस अभियान का उद्देश्य यह

अनुकूल परिवहन, तकनीकी नवाचार और साहसिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ देश की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करना है। अभियान की शुरुआत दिल्ली छावनी से हुई है। यहां से अभियान में शामिल सवार सबसे पहले उत्तराखंड के माणा गांव पहुंचेंगे। इसके बाद दल उत्तर प्रदेश के गंगा के मैदानी इलाकों से होते हुए पूर्व दिशा में आगे बढ़ेगा और हिमालय के दुर्गम क्षेत्रों में प्रवेश करेगा। अभियान का समापन 16 नवंबर 2026 को अरुणाचल प्रदेश के अर्जुन जिले में स्थित वालोंग युद्ध स्मारक पर होगा। यह तारीख वालोंग दिवस के साथ मेल खाती है। इस अभियान का एक प्रमुख उद्देश्य यह आकलन करना है।

उस्मानपुर में मोबाइल लूट का केस सुलझा, दो आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने न्यू उस्मानपुर इलाके में लूट के एक मामले को सुलझाते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें भजनपुरा पुलिस स्टेशन का एक पोषित 'बैड कैरेक्टर' (बीसी) भी शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि पीड़ित से लूटा गया मोबाइल -भी बरामद कर लिया गया है।

पुलिस के मुताबिक, यह घटना 8 अक्टूबर को हुई। दिल्ली के साउथ गमरी के रहने वाले 28 साल के टैक्सि ड्राइवर मान सिंह सुबह करीब 5 बजे 4.5 पुस्ता से 5वें पुस्ते के पार्किंग एरिया की ओर अपनी गाड़ी लेने जा रहे थे। इस दौरान कचरे के ढेर के पास तीन लोगों ने



उन्हें जबरन रोक लिया। उनमें से एक ने पीछे से मान सिंह को पकड़ और गला दबाने की कोशिश की, जबकि दूसरे ने पेट पर चाकू जैसी कोई चीज सटा दी। इसी बीच, तीसरे आरोपी ने उनकी पैंट की जेब से मोबाइल फोन और वॉलेट निकाल लिया, जिसमें 1,500 रुपए और ड्राइविंग लाइसेंस था। उन्होंने उनके कान से बाली भी छीन ली और फिर खजूरी

चाक की ओर भाग गए। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी। सोलमपुर एसीपी की देखरेख में पुलिस की एक टीम ने मुख्य संदिग्ध को गिरफ्तार करके मामले को सुलझाया। टीम ने 150 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का विश्लेषण किया और स्थानीय जानकारी जुटाई।